शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 81 | गुवाहाटी | शनिवार, 24 अक्तूबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रिजिजू ने सरकार व विरोध कर रहे समुदायों के बीच सार्थक बातचीत का आह्वान किया पेज 2
राज्य का लक्ष्य 3.49 लाख केसीसी खाते एआईएफ के लिए 2,050 करोड़... पेज 3
नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए : योगी आदित्यनाथ पेज 5
एशियाई पैरा खेल : नितेश कुमार ने प्रमोद भगत को हराकर जीता स्वर्ण पेज 7

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

**सुप्रभात**

*विचार न करके कार्य करने वाले व्यक्ति को लक्ष्मी त्याग देती है।*
– आचार्य चाणक्य

## न्यूज गैलरी

### सिवान में पटाखा कारोबारी के घर में ब्लास्ट, सात की मौत

**बड़हरिया ( सिवान )।** बिहार के सिवान जिले में शुक्रवार को पटाखों में आग लगने से एक मकान में भीषण विस्फोट हो गया। जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में हुई इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। -शेष पृष्ठ दो पर

### जॉर्डन में बंदूकधारियों ने चर्च के अंदर की गोलीबारी, सात मरे

**अम्मान।** जॉर्डन के करक में शुक्रवार को एक चर्च में अंतिम संस्कार के दौरान दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और करीब 10 अन्य घायल हो गए। अल-ममलका टीवी के अनुसार हमलावर एक गाड़ी से उतरे और गोलीबारी शुरू कर दी। बंदूकधारियों ने करीब पांच मिनट तक लगातार गोलियां चलाईं और फिर वहां से भाग गए। इस खबर को लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

*लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान*

# वोटर लिस्ट और एसआईआर पर भ्रम दूर करने उतरेगी भाजपा

**नई दिल्ली/गुवाहाटी ( एजे / हि.स. )।** वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस, सीजेपी और विपक्ष के हमलों के बीच भाजपा ने सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए व्यापक जन जागरण अभियान शुरू किया है। पांच नवंबर तक चलने वाले इस अभियान को *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* का नाम दिया गया है। इसके माध्यम से भाजपा जनता तक साफ संदेश पहुंचाने की कोशिश करेगी कि विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस अराजकता फैलाकर सत्ता हथियाने की कोशिश कर रही है, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। सूत्रों के अनुसार गुरूवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने देशव्यापी अभियान चलाने का निर्देश जारी कर दिया है। इस संबंध में सर्कुलर जारी कर सभी राज्य इकाइयों को तत्काल सक्रिय होने को कहा गया है। अभियान का जोर एसआईआर पर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर कर मतदाता सूची की शुद्धता के बारे में आम जनता को अवगत कराना है। अभियान के तहत प्रत्येक जिला मुख्यालयों पर पदयात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें प्रत्येक पदयात्रा में 10 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 200 प्रबुद्ध एवं आमंत्रित नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों, कालेजों, आइटीआइ और कोचिंग संस्थानों में कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रीय स्तर पर 10 लाख से अधिक युवाओं और पेशेवरों तक पहुंचने और जोड़ने का लक्ष्य। साथ ही राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की जाएंगी। सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच को देखते हुए जागरूकता अभियान में इसे भी शामिल किया गया है। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर मतदाता सूची, एसआईआर और संवैधानिक प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके लिए छोटे-छोटे रील्स भी तैयार किए जा रहे है। तमाम कार्यक्रमों में बांटने के लिए पुस्तिका भी तैयार की गई है, जिसमें एसआईआर, मतदाता सूची के शुद्धिकरण की जरूरत और उस पर उठाए जा रहे सवालों के जवाब भी होंगे। इसके साथ ही रक्षा, विज्ञान, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और जनकल्याण के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। उधर असम में भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) 26 अक्तूबर से राज्यव्यापी कार्यक्रम शुरू करेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

## असम कैबिनेट ने 2025 के नागरिक सम्मान विजेताओं के नाम घोषित किए

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक सेवा भवन में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में राज्य सरकार के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों के लिए वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की। साथ ही महान गायक डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी के समापन समारोह की तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी का भव्य समारोह 29 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रख्यात गायिका -शेष पृष्ठ दो पर

### उषा मंगेशकर को पहला भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार देगी असम सरकार

**गुवाहाटी।** असम मंत्रिमंडल ने घोषणा की कि राज्य सरकार डॉ. भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना करेगी, और गायिका उषा मंगेशकर को इसकी पहली प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है। इस पुरस्कार में 10 लाख रुपए की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 नवंबर को नई दिल्ली में मंगेशकर को प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा शर्मा ने गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बताया कि यह समारोह भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के वर्ष भर चलने वाले समारोहों -शेष पृष्ठ दो पर

## असम में अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि होजाई जिले में अवैध पत्थर खदानों के संचालन की सूचना सही साबित होती है तो संबंधित प्रभागीय वन अधिकारी ( डीएफओ ) को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। वहीं, एक अन्य बैठक में मुख्यमंत्री ने संरक्षित वन क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि राज्य के भविष्य के लिए जंगलों का संरक्षण बेहद जरूरी है। होजाई में कथित अवैध पत्थर खनन -शेष पृष्ठ दो पर

*अरुणाचल में चीनी सैनिकों से अब भी तनातनी!*

## हमारे शौर्य कमांडो तैयार : आईटीबीपी चीफ

**नई दिल्ली।** भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ( आईटीबीपी ) प्रमुख शत्रुजीत सिंह कपूर ने गुरवार को बताया कि आईटीबीपी ने शौर्य कमांडो नाम से एक नई लड़ाकू इकाई तैयार की है। इन कमांडो ने अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर चीनी सेना ( पीएलए ) के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान अपनी क्षमताएं साबित की हैं। कपूर ने कहा कि हर बॉर्डर बटालियन में कमांडो तैनात किए जाएंगे, क्योंकि यह फोर्स चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल ( एलएसी ) पर अपनी युद्ध-तैयारी को मजबूत कर रही है। आईटीबीपी प्रमुख की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब यह बल अपने आधुनिकीकरण अभियान को तेज कर रहा है, जिसमें नई युद्ध तकनीकों और विशेष प्रशिक्षण पर अधिक जोर दिया जा रहा है। 24 अक्तूबर को आईटीबीपी के 65वें स्थापना दिवस से पहले राजस्थान के अलवर में एक आईटीबीपी बेस पर जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि भारत के सबसे बड़े विरोधी चीन का मुकाबला करने के लिए युद्ध के पारंपरिक तरीके अब काफी नहीं हैं। इस बल ने अपनी सीमा-रक्षक बटालियनों में ड्रोन प्लाटून बनाए हैं और अपने जवानों को ड्रोन चलाने तथा इस तकनीक को विकसित करने – शेष पृष्ठ दो पर

## *अपर सियांग पावर प्रोजेक्ट को लेकर अरुणाचल प्रदेश में प्रदर्शन, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, चार महिलाएं घायल*

**इटानगर।** अरुणाचल प्रदेश में *सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट* को लेकर पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। यह घटना सियांग जिले के गेकू के पास *डाइट-डाइम* में हुई। एक अधिकारी ने बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस झड़प में चार महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अरुणाचल प्रदेश में यह प्रदर्शन प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की बिजली परियोजना के विरोध में बुलाया गया। 12 घंटे के बंद के दौरान, लगभग 150-200 प्रदर्शनकारी, जिनके पास धारदार हथियार, लाठियां और गुलेल थीं, पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ करने और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करने लगे। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव भी किया। सियांग के पुलिस अधीक्षक ( एसपी ) कामदम सिखोम ने बताया कि अपर सियांग जिले के गेकू और कोमकार इलाकों से आए लगभग 150 से 200 प्रदर्शनकारी सुबह करीब 7 बजे सियांग के डाइट-डाइम में इकट्ठा हुए और बंद का समर्थन किया। उन्होंने पुलिस के बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, पथराव किया और निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया। एसपी कामदम सिखोम ने कहा कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। एसपी ने कहा कि सियांग जिले के अन्य हिस्सों में -शेष पृष्ठ दो पर

## एसबीआई के ग्राहकों का डाटा लीक

*बैंक ने बताया- खाते में जमा रकम सुरक्षित*

**नई दिल्ली।** भारतीय स्टेट बैंक ( एसबीआई ) ने हाल में हुई एक साइबर घटना को लेकर ग्राहकों के लिए जानकारी साझा की है। बैंक के मुताबिक, इस घटना में कुछ ग्राहकों का डाटा शामिल होने की पहचान हुई है। ऐसे ग्राहकों को बैंक ने ईमेल और व्हाट्सऐप के जरिये अलग-अलग सूचना दी है। हालांकि, बैंक ने अपने संदेश में यह साफ किया है कि ग्राहकों के खातों में जमा रकम सुरक्षित है। एसबीआई ने अपने बयान में कहा है कि ग्राहकों के खाते में जमा रकम और उनके पैसे बैंक के पास सुरक्षित हैं। हालांकि, बैंक के इस बयान से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि साइबर घटना में किसी तरह का नुकसान हुआ ही नहीं। बैंक ने डाटा से जुड़ी घटना की जानकारी दी है, लेकिन साझा किए गए संदेश में यह नहीं बताया है कि कितने ग्राहकों का डाटा प्रभावित हुआ, कौन-सी जानकारी सामने आई या साइबर घटना कैसे हुई। बैंक ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का इस्तेमाल करते समय सावधान रहने की सलाह दी है। एसबीआई ने साफ कहा है कि अपना ओटीपी, एटीएम -शेष पृष्ठ दो पर

## दवा कंपनियों की अनैतिक गतिविधियों पर लगेगा अंकुश केंद्र ने गठित की समिति

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दवा कंपनियों की मार्केटिंग में अनैतिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने एक समिति का गठन किया है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग की ओर से गठित यह समिति दवा कंपनियों और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच होने वाले व्यावसायिक संपर्कों से जुड़े मौजूदा नियमों की व्यापक समीक्षा करेगी। समिति को अपनी पहली बैठक की तारीख से दो महीने के भीतर सिफारिशें सौंपनी होंगी। नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

## देश भर के पारसी संगठन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र टाटा संस और टाटा ट्रस्ट विवाद में हस्तक्षेप की मांग

**नई दिल्ली।** टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट ( आईपीओ ) करने और इसके मैनेजमेंट को लेकर विवाद बढ़ गया है। देश-विदेश के 6 बड़े पारसी संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर टाटा ट्रस्ट्स का समर्थन किया है। संगठनों ने पीएम से अपील की है कि टाटा ग्रुप के सालों पुराने मालिकाना हक और कामकाज के तरीके को बचाया जाए, ताकि उसकी समाज सेवा और परोपकार की परंपरा जारी रहे। संगठनों का कहना है कि इसे महज दो शेयरधारकों की लड़ाई न समझा जाए, क्योंकि इसका सीधा असर देश के सबसे बड़े और भरोसेमंद बिजनेस ग्रुप के भविष्य पर पड़ेगा। पारसी संगठनों का कहना है कि टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट करना सिर्फ नियमों का मामला नहीं है। अगर यह बाजार में आती है, तो कंपनी पर हर 3 महीने में मुनाफा दिखाने और शेयर की कीमत बढ़ाने का दबाव रहेगा। इससे टाटा का सालों पुराना भरोसा और काम करने का तरीका कमजोर -शेष पृष्ठ दो पर

*देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में हटाया गया सॉफ्टवेयर*

## अब नई तकनीक का इस्तेमाल करेगा भारत

**नई दिल्ली।** न्यूक्लियर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर क्रैश और साइबर हमलों के खतरों से बचने के लिए भारत में नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। रूस में बनी यह हार्डवेयर आधारित तकनीक फिलहाल तमिलनाडु में स्थित न्यूक्लियर प्लांट में लगाई जा रही है। रूसी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने हाल ही में कुडनकुलम परमाणु बिजल संयंत्र के लिए नई तकनीक पर आधारित सुरक्षा उपकरण के करीब 300 सेट भेजे हैं। यह आपात स्थिति में बिना माइक्रोप्रोसेसर और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के काम करती है। इनका -शेष पृष्ठ दो पर

## चुनौतियों का सामना करने के लिए बराबर तैयार रहें आर्मी कमांडर्स : राजनाथ

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय की रणनीतिक सोच के साथ काम करने और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए बराबर तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने *लैंड वॉरफेयर डॉक्ट्रिन* लॉन्च किया और यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग मिशन में बेहतरीन सेवा के लिए तीन भारतीय सेना के जवानों को सम्मानित भी किया। रक्षा मंत्री ने मॉडर्न युद्ध के लिए एक इंटीग्रेटेड अप्रोच अपनाने की बात कही और जोर दिया कि सफलता मल्टी-डोमेन क्षमताओं और जॉइंट ऑपरेशन में आसान तालमेल पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने नई सोच और बेहतर तालमेल दिखाया, साथ ही एडवांस्ड हथियारों का भी इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्री ने आर्मी कमांडरों से जियोपॉलिटिकल और क्षेत्रीय डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने अगले 20-30 सालों के लिए एक लंबे समय के स्ट्रेटेजिक विजन की जरूरत पर जोर दिया और भारतीय सेना के सीनियर -शेष पृष्ठ दो पर

## तिब्बत में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, 16 की मौत और 32 घायल

**ल्हासा ( हि.स. )।** तिब्बत में गुरुवार रात आए 7.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हो गए। भूकंप के झटकों से 300 से अधिक घर ढह गए। प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप गुरुवार रात करीब 10:33 बजे आया। वहीं, शुक्रवार सुबह 2:25 बजे तक मिली प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घायलों में 11 की हालत गंभीर थी, जबकि 21 लोगों को मामूली चोटें आई थीं। मौके पर मौजूदअधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं और प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने का काम जारी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ( यूएसजीएस ) के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

## सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट

# रिजिजू ने सरकार व विरोध कर रहे समुदायों के बीच सार्थक बातचीत का आह्वान किया

**इटानगर (हि.स.)।** अरुणाचल प्रदेश के प्रस्तावित सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को सरकार और विरोध कर रहे समुदायों के बीच सार्थक बातचीत का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विवादित मेगा जलविद्युत परियोजना के मामले में जबरदस्ती करना कोई समाधान नहीं है। पासीघाट में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि किसी पर कोई दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय समुदायों की चिंताओं का समाधान आपसी सम्मान और समझ के जरिए निकाला जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मौजूदा गतिरोध तभी सुलझ सकता है जब दोनों पक्ष बातचीत के लिए एक साथ बैठें। उन्होंने कहा कि अगर हम बैठकर बात करें तो तकनीकी रूप से सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। हमें बातचीत के जरिए ही आगे बढ़ना होगा। इस बहस को *बांध के समर्थन* बनाम *बांध के विरोध* के दायरे से बाहर ले जाने की कोशिश करते हुए रिजिजू ने कहा कि असली सवाल यह है कि लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज किए बिना इस क्षेत्र के भविष्य को कैसे सुरक्षित किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम इसे समर्थन या विरोध के नजरिए से नहीं देखते। हम भविष्य को देखते हैं। उनका यह बयान सियांग नदी पर प्रस्तावित परियोजना के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच आया है। प्रभावित समुदायों को विस्थापन, पर्यावरण के विनाश, अपनी पारंपरिक जीवनशैली के लिए खतरे और भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील इस क्षेत्र में संभावित आपदाओं की चिंता है। प्रदर्शनकारियों ने *प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट* से जुड़ी गतिविधियों और सर्वेक्षण के काम को तुरंत रोकने, तथा प्रभावित इलाकों से सुरक्षा बलों को वापस बुलाने की मांग की है। ग्रामीणों के गुस्से और आशंकाओं को समझते हुए, रिजिजू ने आगाह किया कि परियोजना का विरोध करने वालों को *दुश्मन* के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

## मुख्यमंत्री ने बीरेन्द्रनाथ दत्त की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को लोकसंस्कृति के प्रख्यात शोधकर्ता, शिक्षाविद्, साहित्यकार और संगीतकार डॉ. बीरेन्द्रनाथ दत्त की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने असम के साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में डॉ. दत्त के अमूल्य योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि डॉ. बीरेन्द्रनाथ दत्त ने अपने योगदान से असम के साहित्य और संस्कृति की परंपरा को समृद्ध किया। उनकी रचनाएं असम की जड़ों और लोकपरंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई थीं, जिन्होंने प्रत्येक असमिया के जीवन और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री ने इस महान व्यक्तित्व को नमन करते हुए उनके प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने डॉ. दत्त के साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक योगदान को याद किया, जो असम की समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। डॉ. बीरेन्द्रनाथ दत्त ने लोकसंस्कृति के अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया था।

## असम में 19 करोड़ से अधिक कीमत के याबा टैबलेट्स जब्त

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के कछार जिले में पुलिस ने पुख्ता सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए बीती रात 19 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की याबा टैबलेट्स जब्त कर एक तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए उपरोक्त जानकारी साझा की है। उन्होंने लिखा है कि मिशन इम्पॉसिबल? असम में तो बिल्कुल नहीं! पुलिस की कार्य कुशलता की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि सीमा पर गाड़ी बदलने से भी नतीजा नहीं बदलने वाला है। कछार पुलिस ने 19.6 करोड़ की कीमत की 78,400 संदिग्ध *याबा* टैबलेट्स ज़ब्त करने के साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

# अमिताभ बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की धमकी

**मुंबई।** मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े को एक धमकी भरा ई-मेल आया है, जिसमें अभिनेता अमिताभ बच्चन का घर और गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट स्थल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और मुंबई पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुख्यालय में मेयर के दफ्तर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, यह ई-मेल डिप्टी मेयर संजय घाडी को भी भेजा गया था। अधिकारी ने बताया कि मेयर को आए मेल में 31 अक्तूबर को एक स्कूल पर ग्रेनेड हमले की चेतावनी दी गई है। वहीं 31 अक्तूबर से 27 नवंबर के बीच सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित घर *जलसा* को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। अधिकारी ने बताया कि इस धमकी के बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने संदेश की सच्चाई का पता लगाने, यह कहां से भेजा गया है यह जानने और भेजने वाले की पहचान करने के लिए व्यापक जांच शुरू कर दी है। *खालिस्तान* का जिक्र करने वाले इस ई-मेल में यह भी दावा किया गया है कि 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स इलाके में होने वाले गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के दौरान हमला किया जाएगा। अधिकारी ने आगे बताया कि एहतियात के तौर पर मेयर के दफ्तर, महालक्ष्मी रेसकोर्स, शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों और ई-मेल में बताए गए सभी स्थानों पर सुरक्षा और निगरानी काफी बढ़ा दी गई है।

## बीटीआर के ईएम कर्मेश्वर राय ने मंत्री जयंत मल्लबरुवा को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

**कोकराझाड़ (हिंस)।** असम सरकार के कर्मठ कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा के जन्मदिन के अवसर पर बोड़ोलैंड टेरीटोरियल रिजन (बीटीआर) के कार्यकारी सदस्य (ईएम) कर्मेश्वर राय ने बीती रात मंत्री के सरकारी आवास पहुंचकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस विशेष अवसर पर ईएम राय ने परमपिता परमेश्वर से मंत्री मल्लबरुवा के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि से भरे जीवन की प्रार्थना की। सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई इस मुलाकात के दौरान राय ने कामना की कि मंत्री के आने वाले दिन सुख, शांति और सफलता से परिपूर्ण हों। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि समूचे असम की जनता की सेवा में मंत्री मल्लबरुवा की समर्पित यात्रा इसी प्रकार निरंतर जारी रहे। उन्होंने एक बार फिर जन्मदिन की अनेकों शुभकामनाएं दीं।

# असम में अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोरी गिरोह के दो कथित सरगना गिरफ्तार

**नगांव (हिंस)।** असम के बटाद्रवा में पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोरी गिरोह के दो कथित सरगनाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजमल हुसैन और जहिरुल इस्लाम चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर जिले के विभिन्न हिस्सों से चोरी के वाहनों को दूसरे राज्यों और विदेशों तक पहुंचाने वाले नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह गिरोह चोरी के वाहनों को राज्य से बाहर भेजने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी आवाजाही में संलिप्त था। दोनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस कथित वाहन चोरी गिरोह के नेटवर्क और उसकी गतिविधियों की जांच कर सकती है। हालांकि, मामले में अब तक जांच की विस्तृत जानकारी और आरोपियों की गिरफ्तारी से संबंधित अन्य तथ्यों का खुलासा नहीं किया गया है। उधर सदिया में डॉ. भूपेन हजारिका सेतु के पास गुरुवार की रात एक सड़क दुर्घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। एक विंगर वाहन ने चार राहगीरों को टक्कर मार दी, जिससे चारों घायल हो गए। इनमें से तीन की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे से आक्रोशित लोगों ने दुर्घटना में शामिल विंगर वाहन में आग लगा दी।

## हाजो में तेल पाइपलाइन फटी कच्चा तेल जमा करने के लिए खेतों में उमड़ी भीड़

**कामरूप (हिंस)।** असम के हाजो इलाके में तेल पाइपलाइन फटने के बाद गेरुवा गांव में सैकड़ों लोग कच्चा तेल जमा करने के लिए खेतों में पहुंच गए। पाइपलाइन से निकला कच्चा तेल बड़े क्षेत्र में फैल गया, जिससे कृषि भूमि प्रभावित हुई। घटना के बाद आज सुबह आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग बाल्टी, डिब्बे और अन्य बर्तन लेकर मौके पर पहुंचे। खेतों में फैले कच्चे तेल को जमा करने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। पाइपलाइन फटने से इलाके में असामान्य स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पाइपलाइन किस कारण से फटी, इससे कितने क्षेत्र में नुकसान हुआ और तेल के रिसाव को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों ने क्या कदम उठाए, इसकी विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी।

# पृष्ठ एक का शेष

### वोटर लिस्ट और ...

पार्टी ने इस अभियान को *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* नाम दिया है। इसके तहत राज्यभर में रैलियां, जुलूस और विभिन्न विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का पहला चरण 26 अक्तूबर से 5 नवंबर तक चलेगा। वहीं, दूसरे चरण में 10 नवंबर से 30 नवंबर तक विभिन्न विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लक्ष्मी पूजा के अगले दिन से पार्टी राज्य के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम शुरू करेगी। इस बीच, कार्बी आंग्लांग क्षेत्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष ऑगस्टिन इंग्ही सहित कांग्रेस के 300 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इन नेताओं ने गुरुवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। गुवाहाटी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित कार्यक्रम में असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री पीयूष हजारिका और कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रोंगहांग की उपस्थिति में नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर दिलीप सैकिया ने कहा कि कार्बी आंग्लांग में भाजपा के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल का भविष्य नहीं है।

### असम कैबिनेट ने 2025...

ऊषा मंगेशकर को भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं समारोह में उपस्थित रहकर उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार दिया जाएगा। पुरस्कार के तहत 10 लाख रुपए की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। लगभग दो घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में असम के करीब 1,000 गायक-गायिकाएं डॉ. हजारिका के दो कालजयी गीतों *मानुहे मानुहर बाबे* और *वी आर इन द सेम बोट, ब्रदर* की प्रस्तुति देंगे। प्रख्यात गायिका श्रेया घोषाल और गायक शंकर महादेवन भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 के लिए राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों के विजेताओं की घोषणा करते हुए बताया कि शंकरदेव नेत्रालय के संस्थापक डॉ. हर्ष भट्टाचार्य को असम वैभव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। असम सौरव पुरस्कार के लिए चार विशिष्ट व्यक्तियों का चयन किया गया है। इनमें पशु चिकित्सा विज्ञान और हाथियों के संरक्षण में योगदान के लिए डॉ. कुशल कोंवर शर्मा, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए नुरुद्दीन अहमद, संगीत एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में योगदान के लिए पुलक बनर्जी तथा पर्यावरण संरक्षण और हरगिला पक्षी के संरक्षण के लिए पूर्णिमा देवी बर्मन शामिल हैं। वहीं, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 10 व्यक्तियों को असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इनमें देवीप्रसाद बागरोदिया, हलीचरण नार्जारी, सिमू दास, हरकांत बसुमतारी, धनजीत तालुकदार, निवेदिता इन, मयंक चक्रवर्ती, जितेन चारंगफांगसा, तनुमाया सोनार विश्वकर्मा और दीकपाल लाहन शामिल हैं। राज्य सरकार के इन निर्णयों के माध्यम से डॉ. भूपेन हजारिका की कालजयी रचनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

### असम में अवैध खनन...

को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि जिले में दो-तीन अवैध पत्थर खदानों में खनन किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी मिल सकती है तो संबंधित डीएफओ को इसकी जानकारी क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि यह सूचना सही है तो डीएफओ को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, संबंधित वन अधिकारी की जानकारी के बिना इस तरह की गतिविधियां संचालित नहीं हो सकतीं। मुख्यमंत्री ने अवैध खनन के खिलाफ सरकार की सख्त नीति दोहराई। एक अन्य बैठक में बेदखली अभियान पर शर्मा ने कहा कि बुलडोजर चलाना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए खुशी की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई यह सोचता है कि बुलडोजर चलाकर सरकार को क्रूर आनंद मिलता है तो यह गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी धर्म का व्यक्ति हो, बेदखली की कार्रवाई से मन दुखी होता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि राज्य में संरक्षित वन क्षेत्र नहीं रहेंगे तो भविष्य में कुछ भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए वन क्षेत्रों का संरक्षण अनिवार्य है।

### उषा मंगेशकर को ...

के समापन का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार हर तीन साल में दिया जाएगा। यह एक राष्ट्रीय पुरस्कार होगा जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त गायक, संगीतकार, गीतकार, फिल्म निर्देशक, अभिनेता या हजारिका के कार्यों से संबंधित किसी अन्य क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति को प्रदान किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि मंत्रिमंडल ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार की पुरस्कार राशि को मौजूदा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद, उन लोगों के नामों की भी घोषणा की जिन्हें 2025 के लिए राज्य के नागरिक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवा और समाज में उनके अपार योगदान के लिए श्री शंकरदेव नेत्रालय के अध्यक्ष और संस्थापक न्यासी डॉ. हर्षा भट्टाचार्य को सर्वोच्च नागरिक सम्मान *असोम वैभव* से सम्मानित किया जाएगा, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों – वन्यजीव पशुचिकित्सक और संरक्षणवादी डॉ. कुशल कोनवार शर्मा, मूर्तिकार और सेट डिजाइनर पद्म श्री नूरुद्दीन अहमद, गायक पुलक बनर्जी और संरक्षणवादी पूर्णिमा देवी बर्मन – को असम सौरभ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कृषि, व्यवसाय और खेल के क्षेत्रों से 10 अन्य व्यक्तियों के साथ-साथ एक गैर सरकारी संगठन और एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को भी असम गौरव पुरस्कारों के लिए चुना गया है। 2026 के लिए नागरिक सम्मान पुरस्कार विजेताओं की घोषणा एक महीने बाद की जाएगी और 2025 और वर्तमान वर्ष दोनों के विजेताओं को दो अलग-अलग समारोहों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, शर्मा ने कहा। असम मंत्रिमंडल ने वेल्सपन समूह द्वारा कामरूप जिले के रंगिया में एक उद्योग स्थापित करने के लिए 300 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी और मिसिंग स्वायत्त परिषद और सोनोवाल कचारी स्वायत्त परिषद के लिए चुनाव नियमों को मंजूरी दे दी, जिससे नवंबर में दोनों परिषदों के चुनाव होने का मार्ग प्रशस्त हो गया।

### हमारे शौर्य कमांडो ...

के लिए प्रशिक्षित कर रहा है। कपूर ने बताया कि आईटीबीपी को सरकार से 400 करोड़ रुपए की फंडिंग मिली है, जिसमें से 70 प्रतिशत राशि का इस्तेमाल उसकी ड्रोन युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने 4,000 करोड़ रुपए की आधुनिकीकरण योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसमें ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए 1,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। आईटीबीपी ने एक नया स्ट्राइक कोर्स भी तैयार किया है, ताकि जवानों को जून 2020 की गलवान घाटी जैसी लड़ाई की स्थितियों के लिए तैयार किया जा सके। कपूर ने बताया कि 2027 के अंत तक पूरी फोर्स को यह ट्रेनिंग दे दी जाएगी। पूर्वी लद्दाख में गलवान झड़प के दौरान चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक मुठभेड़ में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बाद में चीन ने भी अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की थी। युद्ध प्रशिक्षण और तकनीक के अलावा यह बल अग्रिम इलाकों में बुनियादी ढांचे को भी मजबूत कर रहा है। कपूर ने बताया कि आईटीबीपी सीमावर्ती इलाकों में जमीन के नीचे आश्रय स्थल बना रही है, ताकि संघर्ष की स्थिति में जोखिम को कम किया जा सके क्योंकि जमीन के ऊपर बनी संरचनाएं युद्ध के दौरान आसानी से निशाना बन सकती हैं। यह बल अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों के लिए सुविधाओं को भी बेहतर बना रहा है। इसमें बैरकों को इंसुलेट करना, सोलर वॉटर हीटर लगाना और दूर-दराज की चौकियों पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जनरेटर सेट मुहैया कराना शामिल है। इसमें कोल्ड-स्टार्ट किट शामिल किए गए हैं, ताकि अत्यधिक ठंड में भी वाहनों को स्टार्ट करने में मदद मिल सके। कपूर ने बताया कि ये कदम आईटीबीपी को एक ऐसी विशेष हाई-एल्टीट्यूड माउंटेन-फाइटिंग फोर्स के रूप में विकसित करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा हैं, जो चीन सीमा पर उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो।

### अपर सियांग पावर प्रोजेक्ट...

बंद शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि उनमें से कई लोग आंसू गैस के गोलों की चपेट में आ गए, जिससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई। सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट के विरोध में बुलाए गए इस बंद के कारण सियांग और अपर सियांग जिलों के साथ-साथ ईस्ट सियांग के कुछ हिस्सों में जनजीवन प्रभावित रहा। दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और लोग ज्यादातर अपने घरों के अंदर ही रहे। यह बंद *आदि बाने केबांग यूनाइटेड* कि एसयूएमपी अफेक्टेड एरिया यूथ एसोसिएशन कि सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम यूथ विंग और आदि गैलो वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से बुलाया गया था। ये संगठन गिरफ्तार किए गए 10 कार्यकर्ताओं की रिहाई, निलंबित *गांव बूढ़ों* (गांव के मुखियाओं) की बहाली, परियोजना से जुड़ी सभी शुरुआती गतिविधियों को वापस लेने और इलाके में तैनात अर्धसैनिक बलों व केंद्रीय बलों को हटाने की मांग कर रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश सरकार का कहना है कि इस प्रस्तावित परियोजना का मुख्य उद्देश्य सियांग बेसिन में पानी का भंडारण और प्रबंधन करना है। यह कदम विशेष रूप से सियांग नदी के ऊपरी हिस्से में चीन द्वारा प्रस्तावित मेगा बांध को लेकर जताई गई चिंताओं को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

### एसबीआई के ग्राहकों ...

या बैंकिंग पिन और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अगर किसी अनजान नंबर से संदिग्ध कॉल आए या कोई शक वाला मैसेज अथवा ईमेल मिले, तो सतर्क रहें। ऐसी जानकारी साझा करने से बचें, जिसका इस्तेमाल कोई आपके बैंक खाते तक पहुंचने के लिए कर सकता है। दरअसल, एसबीआई के ग्राहकों के डाटा से जुड़ा मामला 21 अक्तूबर को सामने आया, जब बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि डार्क वेब पर उपलब्ध करीब 3.75 लाख रिकॉर्ड की शुरुआती जांच में 3,897 रिकॉर्ड ऐसे मिले, जिनमें ग्राहकों की निजी जानकारी शामिल थी। बैंक को 16 अक्तूबर को अपने थ्रेट इंटेलिजेंस सेवा प्रदाता, डिफेंस साइबर एजेंसी और भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल से डाटा उजागर होने की आशंका को लेकर अलर्ट मिले थे। सामने आई जानकारी में ग्राहकों के नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल और घर के पते के साथ बैंक की ग्राहक पहचान संख्या तथा लोन से जुड़े रिकॉर्ड का विवरण भी शामिल था। हालांकि, बैंक ने कहा कि डाटा की प्रामाणिकता, उसके स्रोत और पूरे मामले की जांच जारी है। अब एसबीआई ने बताया है कि जिन ग्राहकों का डेटा इस घटना से जुड़ा पाया गया, उन्हें ईमेल और व्हाट्सएप के जरिये अलग-अलग सूचना दी गई है।

### दवा कंपनियों की ...

इसके सदस्यों में पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन और मेदांता के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. नरेश त्रेहान शामिल हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि समिति दवा कंपनियों की मार्केटिंग से जुड़ी अनैतिक गतिविधियों की पहचान करने के साथ मौजूदा निगरानी, नियंत्रण और नियमों के अनुपालन की व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन करेगी। इसका उद्देश्य व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना तथा नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना है। समिति यह भी विचार करेगी कि मौजूदा नियामकीय ढांचे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त कानूनी या वैधानिक प्रावधानों की जरूरत है या नहीं। इसके लिए वह संबंधित पक्षों, तकनीकी एवं पेशेवर विशेषज्ञों और संस्थानों से विचार-विमर्श करेगी। प्राप्त सुझावों पर विचार करने के बाद समिति अपनी सिफारिशें देगी। दवा कंपनियों की मार्केटिंग में नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2015 में यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) लागू किया गया था। शुरुआत में यह उद्योग आधारित स्वैच्छिक स्व-नियमन व्यवस्था थी। इसका उद्देश्य दवा कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों को नैतिक मानकों के अनुरूप बनाना और कंपनियों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच होने वाले संपर्कों को नियंत्रित करना था। बाद में औषध विभाग ने यूसीपीएमपी-2024 लागू किया, जिसने 2015 के कोड का स्थान लिया और इसके क्रियान्वयन की व्यवस्था को मजबूत किया। फिलहाल यही कोड लागू है। नई समिति यह आकलन करेगी कि मौजूदा व्यवस्था अनैतिक मार्केटिंग गतिविधियों को रोकने में कितनी प्रभावी है और इसकी निगरानी एवं अनुपालन प्रणाली में क्या सुधार किए जा सकते हैं। समिति की सिफारिशों से दवा क्षेत्र में नैतिक व्यावसायिक व्यवहार को बढ़ावा देने और नियामकीय निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय सुझाए जाने की उम्मीद है।

### देश भर के पारसी संगठन ...

पड़ सकता है, जिससे वे भविष्य के बड़े प्रोजेक्ट्स और समाज सेवा से भटक सकते हैं। टाटा ग्रुप की मुख्य कंपनी *टाटा संस* की 66 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के पास है। इस वजह से कंपनियों से होने वाली कमाई का एक बड़ा हिस्सा सीधे समाज सेवा, अस्पतालों, शिक्षा और रिसर्च में खर्च होता है। पारसी संगठनों का कहना है कि इसी खास मॉडल की वजह से टाटा बिना किसी दबाव के देश के बड़े और लंबे समय वाले प्रोजेक्ट्स में पैसा लगा पाता है। पारसी संगठनों का कहना है कि टाटा ने सिर्फ कंपनियां ही नहीं बनाईं, बल्कि देश को टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल और देश के बड़े रिसर्च संस्थान जैसे- टूएससी और टीआईएफआर भी दिए हैं। आज भी टाटा ग्रुप देश के बड़े और नए प्रोजेक्ट्स- जैसे सेमीकंडक्टर, डिफेंस, इलेक्ट्रिक गाड़ियां और साफ ऊर्जा- में भारी पैसा लगा रहा है। संगठनों के मुताबिक, भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए टाटा के इस सेवा भाव और काम करने के तरीके को बचाना बहुत जरूरी है।

### अब नई तकनीक ...

मकसद सॉफ्टवेयर पर निर्भरता घटाना है, ताकि साइबर हमले या कोई गड़बड़ी होने पर भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। जांच पूरी होने के बाद इन्हें यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। कुडनकुलम की पहली दो इकाइयों के संचालन से मिले अनुभवों को ध्यान में रखकर नई इकाइयों के लिए सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। नए सिस्टम में नॉन प्रोग्रामेबल मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया है। यानी अब ये उपकरण बिना माइक्रोप्रोसेसर और बिना सॉफ्टवेयर के सीधे हार्डवेयर सर्किट के आधार पर काम करेंगे। इससे तकनीकी खराबी या सॉफ्टवेयर क्रैश की स्थिति में भी प्लांट की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यदि रिएक्टर में तय सीमा से अधिक तापमान या दबाव बढ़ता है, तो यह सिस्टम तुरंत एक्टिव होकर बोरॉन इंजेक्शन पंप जैसे आपातकालीन उपकरणों को आदेश भेजता है। इससे रिएक्टर अपने आप ठंडा होने लगता है और किसी भी बड़े हादसे का खतरा टल जाता है। इस नए सिस्टम में बिना प्रोग्रामिंग वाला हार्डवेयर सर्किट होने के कारण इस सुरक्षा प्रणाली में बाहर से किसी भी तरह की डिजिटल सेंधमारी या साइबर घुसपैठ करना मुश्किल होता है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और माइक्रोप्रोसेसरों में कोडिंग बग आ जाए, ऑपरेटिंग सिस्टम क्रैश हो जाए या तकनीकी दिक्कत पर सुरक्षा सिग्नलों का प्रोसेसिंग रुकने का खतरा था। एक यूनिट में गड़बड़ी पर पूरा सेंट्रल सिस्टम एक साथ ठप हो सकता था, क्योंकि उनकी सुरक्षा प्रणालियां पूरी तरह डिजिटल कोडिंग पर निर्भर थीं।

### चुनौतियों का सामना ...

लीडरशिप से तुरंत और नई चुनौतियों का जवाब देने के लिए समान रूप से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि स्ट्रेटेजी डायनैमिक और फ्लेक्सिबल रहनी चाहिए, ताकि बदलते हालात के हिसाब से समय पर बदलाव किए जा सकें। बदलते ऑपरेशनल हालात के हिसाब से खुद को ढालने के लिए डिफेंस फोर्स की तारीफ करते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि नई सोच और बेहतर तालमेल के साथ-साथ एडवांस्ड हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से यह साफ संदेश गया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने में नहीं हिचकिचाएगा। उन्होंने क्षमताओं को मजबूत करने, लगातार परफॉर्मेंस का आकलन करने और बदलते हालात के हिसाब से जरूरी सुधार लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस सिस्टम, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और सुरक्षित कम्युनिकेशन नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में कोशिशों में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि हवा, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर डोमेन में चुनौतियों के बढ़ते महत्व के बावजूद जमीनी युद्ध और जमीनी सेनाएं जरूरी बनी रहेंगी। उन्होंने मॉडर्न युद्ध के लिए एक इंटीग्रेटेड अप्रोच की अपील की और जोर दिया कि सफलता मल्टी-डोमेन क्षमताओं और जॉइंट ऑपरेशन में बिना रुकावट के तालमेल पर निर्भर करेगी। रक्षा मंत्री ने डिफेंस फोर्स की आत्मनिर्भरता की कोशिशों को माना और कहा कि भारत की बढ़ती डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं सभी स्टेकहोल्डर्स की मिलकर की गई कोशिशों का नतीजा हैं। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने लैंड वॉरफेयर डॉक्ट्रिन जारी किया, जो युद्ध के बदलते स्वरूप और भविष्य के संघर्षों से पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना को तैयार करने के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क देता है।

### तिब्बत में 7.0 तीव्रता ...

भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागकू शहर से लगभग 190 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व और क्षेत्रीय राजधानी ल्हासा से करीब 390 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित पहाड़ी इलाके में था। भूकंप लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि, भूकंप का केंद्र बाकेन काउंटी के मारू टाउनशिप में था। टाउनशिप के उप-प्रमुख ल्हावांग डैगपो ने बताया कि झटके इतने तेज थे कि टाउनशिप कार्यालय की दीवारों में दरारें पड़ गईं। भूकंप के कारण काउंटी मुख्यालय में बिजली और दूरसंचार सेवाएं भी बाधित हुईं। भूकंप के बाद अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र में *लेवल-टू* आपातकालीन प्रतिक्रिया सक्रिय कर दी है। राहत और बचाव कार्यों के लिए भूकंप के केंद्र के पास 300 से अधिक पुलिस अधिकारियों को भेजा गया है। वहीं, क्षेत्रीय दमकल और बचाव दल के 347 कर्मियों को प्रभावित इलाकों में तैनात किया गया है। बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश करने, घायलों को सहायता पहुंचाने और क्षतिग्रस्त इमारतों का जायजा लेने में जुटे हैं। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। तिब्बत और आसपास के हिमालयी क्षेत्रों में भूकंप आना असामान्य नहीं है। गौरतलब है कि, जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में आए 6.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इससे पहले वर्ष 2010 में पड़ोसी किंघई प्रांत के युशु क्षेत्र में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस आपदा में कम से कम 2,698 लोगों की जान चली गई थी, जबकि लगभग 300 लोग लापता हो गए थे। मौजूदा भूकंप ने एक बार फिर इस क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियों और प्राकृतिक आपदाओं के खतरे को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

### सिवान में पटाखा ...

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे में करीब सात लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि, मृतकों की संख्या और उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। विस्फोट इतना तेज था कि मकान के अगले हिस्से का मलबा सड़क पर जा गिरा। जानकारी के अनुसार, आलमपुर निवासी मो. अमीरुद्दीन मियां के मकान में पटाखे रखे हुए थे। उन्हें पटाखों का कारोबारी बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मकान में कई लोग मौजूद थे, तभी पटाखों में आग लग गई। इसके बाद आग ने वहां रखे अन्य पटाखों को भी अपनी चपेट में ले लिया और लगातार विस्फोट होने लगे। करीब दो घंटे तक रह-रहकर धमाकों की आवाज सुनाई देती रही। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान का अगला हिस्सा ढहकर सड़क पर गिर गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। धमाकों की आवाज से लोग सहम गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मकान को हुए नुकसान और विस्फोट की भयावहता के कारण राहत एवं पहचान संबंधी कार्यों में परेशानी होने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों ने हादसे में करीब सात लोगों की मौत की सूचना दी है। बताया जा रहा है कि विस्फोट की वजह से शवों की पहचान करने में कठिनाई हो रही है। हालांकि, मृतकों की वास्तविक संख्या और उनकी पहचान के बारे में आधिकारिक पुष्टि अभी प्रतीक्षित है। घटना के कारणों और मकान में रखे पटाखों की स्थिति को लेकर भी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

### जॉर्डन में बंदूकधारियों ...

अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विकसित भारत समाचार

# गुवाहाटी/आसपास

शनिवार, 24 अक्तूबर, 2026



तापमान

अधिकतम 32⁰ न्यूनतम 21⁰

## काजीरंगा में लगातार 1,000 दिनों से गैंडे का शिकार नहीं

### मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में लगातार 1,000 दिनों से गैंडे के शिकार की कोई घटना नहीं हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इसे वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए आज कहा कि यह उपलब्धि अधिकारियों के निरंतर प्रयासों और शिकार के खिलाफ सख्त रुख का परिणाम है। उन्होंने कहा कि काजीरंगा में पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से एक सींग वाले गैंडों को शिकारियों से सुरक्षित रखने में सफलता मिली है। शर्मा ने इस उपलब्धि को बरकरार रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जताई कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

# राज्य का लक्ष्य 3.49 लाख केसीसी खाते एआईएफ के लिए 2,050 करोड़ रुपए का लक्ष्य तय

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य भर के किसानों के लिए कृषि ऋण को मजबूत करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और वित्तीय अवसरों का विस्तार देने के उद्देश्य से तीन प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला है। सोशल मीडिया *एक्स* पर एक पोस्ट में डॉ. शर्मा ने कहा कि ये पहल सरकार के उस विजन का हिस्सा हैं, जिसका मकसद वित्त तक पहुंच बढ़ाकर और किसानों को समर्थन देकर एक अधिक समृद्ध और आत्मनिर्भर असम का निर्माण करना है। ऋण समाधान ढांचे (लोन रिसोलुशन फ्रेमवर्क) के तहत, राज्य ने 3.49 लाख किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों को शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इससे पात्र किसानों को अपने बकाया ऋणों को निपटाने और फिर से संस्थागत ऋण प्राप्त करने में मदद मिलेगी। ऋण समाधान की लागत को सरकार, किसानों और बैंकों के बीच साझा किया जाएगा। राज्य ने *कृषि बुनियादी ढांचा कोष* (एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रकचर फंड-एआईएफ) के तहत 2,050 करोड़ रुपए का लक्ष्य भी तय किया है। इस पहल में किसानों के शुरुआती योगदान के लिए सरकारी सहायता, पात्र परियोजनाओं के लिए 22 करोड़ रुपए तक के ऋण और योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार सात साल तक कम ब्याज दरें शामिल हैं। मुख्यमंत्री द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, ऋण समाधान ढांचे के तहत 1,741.15 करोड़ रुपए के ऋणों को शामिल किया गया है। तीसरी पहल में आलू किसानों को वित्त तक बेहतर पहुंच दिलाने के लिए पेप्सिको और एक बैंक के बीच सहयोग शामिल है। इस साझेदारी का उद्देश्य खेती के खर्चों के लिए ऋण उपलब्ध कराना और अच्छी गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट (जैसे बीज, खाद आदि) तक पहुंच प्रदान करना है, जिससे उत्पादकता बढ़े और खेती तथा बाजारों के बीच संबंध मजबूत हों। ये तीनों पहल असम में ऋण तक पहुंच सुधारने, कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और किसानों के लिए बेहतर अवसर पैदा करने पर केंद्रित हैं।

# कार्बी नेताओं ने भाजपा का दामन थामा, दिलीप सैकिया ने किया स्वागत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम में भारतीय जनता पार्टी को संगठनात्मक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से कार्बी समुदाय के 111 से अधिक नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गुवाहाटी स्थित प्रदेश भाजपा के मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन नेताओं ने भाजपा की नीतियों और विचारधारा के प्रति विश्वास जताते हुए पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इस अवसर पर असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया, कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, प्रदेश संगठन महामंत्री रवींद्र राजू, पार्टी की उपाध्यक्ष रेखारानी दास बोरो तथा कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य डॉ. तुलिराम रोंगहांग सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता जयंत कुमार गोस्वामी के अनुसार, दिलीप सैकिया ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उनसे सेवा भाव के साथ पार्टी के लिए काम करने का आह्वान किया। सैकिया ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारें असम में समान विकास सुनिश्चित करने में सफल रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए सदस्यों के अनुभव, कौशल और जनसंपर्क से पार्टी का संगठनात्मक आधार मजबूत होगा। भाजपा में शामिल होने वालों में पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला कांग्रेस अध्यक्ष ऑगस्टीन इंग्ही, उपाध्यक्ष सुंदरलाल सोहान और सुधीर दास तथा कई अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इनके अलावा एपीएचएलसी केंद्रीय समिति के महासचिव सरकिरी रोंगफेर, वित्तीय पर्यवेक्षक देउरी तेरोंग तथा नोमाटी निर्वाचन क्षेत्र के कई पदाधिकारियों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

# जोरहाट में भारत माता पूजन का सफल समापन, मंत्री बिमल बोरा हुए शामिल

**जोरहाट ( हिंस )।** जोरहाट में मधुकर सेवा न्यास की ओर से 17 से 21 अक्तूबर तक आयोजित भारत माता पूजन-2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम आयोजन समिति के एक पदाधिकारी ने आज आयोजन से संबंधित जानकारी मीडिया के साथ साझा करते हुए कहा कि कार्यक्रम का शुभारंभ असम सरकार के कैबिनेट मंत्री बिमल बोरा ने किया। पदाधिकारी ने कहा कि आयोजन समिति के अध्यक्ष तथा मरियानी के विधायक रूपज्योति कुर्मी की देखरेख में आयोजित उद्घाटन समारोह में जोरहाट के विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी, मधुकर सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के जोरहाट जिला अध्यक्ष शांतनु पुजारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में असम की समृद्ध लोक-संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, संगीत, नृत्य और भक्तिमूलक प्रस्तुतियों को एक साझा मंच पर प्रस्तुत किया गया। भारत माता पूजन के अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति, असम की स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला। पांच दिनों तक चले इस सांस्कृतिक आयोजन में जोरहाट के विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी, तिताबर के विधायक धीरज गोवाला और टियोक के विधायक विकास सैकिया ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 108 कन्याओं का कन्या पूजन रहा। *वंदे मातरम्* पर मनमोहक नृत्य ने मोहा मन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में *वंदे मातरम्* गीत पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुति शामिल रही। इसके अलावा, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका और लोकप्रिय कलाकार जुबीन गर्ग को समर्पित विशेष सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की गई। असम के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने गीत और नृत्य के माध्यम से दोनों महान सांस्कृतिक हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के समापन अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरित किए गए। स्वर्गीय किरण बाला देवी की स्मृति में आयोजित दिहानाम प्रतियोगिता के पुरस्कार उनके परिवार के सदस्यों ने प्रदान किए, जबकि *वंदे मातरम्* गीत पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता के पुरस्कार समाजसेवी सिद्धार्थ बरुआ ने प्रदान किए। समापन समारोह में जोरहाट महाविद्यालय के प्राचार्य सौमित्र पुजारी, काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह के समापन में शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित वर्षव्यापी समारोहों के भव्य समापन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 29 नवंबर, 2026 को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में शताब्दी समारोह समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर महान संगीतकार और सांस्कृतिक विभूति डॉ. भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। साथ ही उनके सम्मान में शुरू किए गए नए राष्ट्रीय पुरस्कार *भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका पुरस्कार* प्रदान करेंगे। समापन समारोह में देशभर से लगभग 5,000 प्रशंसकों, विशिष्ट अतिथियों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका कविता कृष्णमूर्ति, गायक एवं संगीतकार शंकर महादेवन तथा गायिका श्रेया घोषाल अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से महान कलाकार को संगीतमय श्रद्धांजलि देंगे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यों से समारोह को यादगार और भव्य बनाने के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से डॉ. हजारिका की कलात्मक प्रतिभा, उनकी कालजयी रचनाओं और सार्वभौमिक संदेश को व्यापक अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास किया जाना चाहिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि वर्षभर चले समारोहों का समापन ऐसे सांस्कृतिक व्यक्तित्व के सम्मान के अनुरूप होना चाहिए, जिनकी रचनात्मक प्रतिभा ने असम के साथ-साथ पूरे देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया। उन्होंने मानवता, सद्भाव और विश्व बंधुत्व के उनके संदेश को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने तथा संगीत, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर जोर दिया। ब्रह्मपुत्र के बार्ड के नाम से प्रसिद्ध डॉ. भूपेन हजारिका ने अपने संगीत और मानवीय दर्शन के माध्यम से भौगोलिक एवं सांस्कृतिक सीमाओं को पार करते हुए लोगों को जोड़ने का काम किया। प्रस्तावित समापन समारोह को भारतीय सांस्कृतिक विरासत में उनके अतुलनीय योगदान और स्थायी विरासत के उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु, राजस्व मंत्री केशव महंत, पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं मत्स्य पालन मंत्री नीलिमा देवी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा मृदा संरक्षण मंत्री अश्विनी राय सरकार, प्रभारी मुख्य सचिव अजय तिवारी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और शताब्दी समारोह समिति के सदस्य के रूप में राज्य की कई प्रमुख सांस्कृतिक हस्तियां उपस्थित थीं।

# गौरव गोगोई ने सीईसी को हटाने की मांग दोहराई

### जुबीन गर्ग मामले में असम सरकार पर साधा निशाना

**गुवाहाटी ( हिंस )।** कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पक्ष में काम कर रहा है। गौरव गोगोई आज जुबीन क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गोगोई ने बताया कि विपक्षी इंडी गठबंधन 28 अक्तूबर को मॉक संसद आयोजित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस और राहुल गांधी को बार-बार निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के पास स्पष्ट दृष्टि का अभाव है और वह जनता की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। एक अन्य बयान में गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार पर गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में न्याय दिलाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में आरोपियों को लगातार जमानत मिलने से लोगों की चिंताएं बढ़ी हैं। गोगोई ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की जांच से जनता की न्याय संबंधी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई हैं।

# अमीर शोकीन को दिल्ली से त्रिपुरा लाने की प्रक्रिया शुरू : माणिक साहा

**अगरतला ( हिंस )।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर अमीर शोकीन की दिल्ली में गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि उसे त्रिपुरा लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए त्रिपुरा पुलिस की एक टीम दिल्ली पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने त्रिपुरा के प्रभारी पुलिस महानिदेशक जीएस राव से संपर्क किया और उन्हें दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर आरोपित का पता लगाने तथा उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साहा के अनुसार, इसके बाद राव ने दिल्ली पुलिस आयुक्त से बातचीत कर मामले की जानकारी ली। शुरुआत में अमीर शोकीन का पता नहीं चल पाया था लेकिन बाद में पुलिस ने उसे दिल्ली में ढूंढ़कर गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है, उसे यहां लाने की प्रक्रिया चल रही है। यह गिरफ्तारी त्रिपुरा के एक युवक के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर उठे विवाद के बाद हुई है। इस घटना के बाद राज्य में कार्रवाई की मांग उठी थी। मुख्यमंत्री ने पहले ही पुलिस अधिकारियों को दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। फिलहाल त्रिपुरा पुलिस की टीम दिल्ली में है। अमीर शोकीन को त्रिपुरा लाने की आगे की प्रक्रिया आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद संपन्न होगी।

# वन विभाग में तबादलों को सुव्यवस्थित करने के लिए मुख्यमंत्री ने ईटीआरएस लांच किया

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को *इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर रैंडमाइजेशन सिस्टम* (ईटीआरएस) लांच किया। इसका उद्देश्य वन विभाग की तबादला प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और कार्यकुशलता लाना है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस सिस्टम के जरिए 2,137 पात्र कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। बताया गया है कि इस सिस्टम में मानवीय और प्रशासनिक आधार पर उचित छूट देने का भी प्रावधान है। इस पहल का मकसद वन विभाग के भीतर तबादला प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है। इस मौके पर असम सरकार के वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा एवं विभाग के अन्य शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

## सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, एक घायल

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के कलियावर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात कलियाबर के राडलू इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 पर एक बाइक और कार के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में बाइक पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए तेजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस सड़क हादसे में मारे गए लोगों की पहचान भोला सौताल और किसान सोताल के रूप में की गई है। जबकि गंभीर रूप में घायल की पहचान कारण सोताल के रूप में की गई है। घटना के बाद कार में सवार और चालक फरार होने में सफल रहा। पुलिस दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम क के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का प्राथमिकी दर्ज कर दुर्घटना में शामिल कार चालक की तलाश कर रही है।

# बीटीसी उपचुनाव : हग्रामा महिलारी का दावा, बिना मुकाबले जीतेगा बीपीएफ

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के प्रमुख हग्रामा महिलारी ने आगामी बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) को चुनाव लड़ने के बजाय आत्मसमर्पण कर देना चाहिए क्योंकि चुनाव लड़ने से उसे कोई फायदा नहीं होगा। महिलारी ने दावा किया कि यूपीपीएल रौता, काजलगांव और दरंगाजुली में चुनाव लड़ने के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बीपीएफ उपचुनाव में बिना किसी मुकाबले के जीत दर्ज करेगा। बीटीसी उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी के बीच महिलारी की इस टिप्पणी से क्षेत्र में राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के संकेत हैं। हालांकि, यूपीपीएल की ओर से इन दावों पर प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं मिली है।

# रंगिया के बोर्का पानीटेमा में मोरल पुलिसिंग की घटना में एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

**रंगिया ( विभास )।** शारदीय दुर्गापूजा के आनंद और उल्लास के बीच रंगिया के बोर्का पानीटेमा में एक अमानवीय और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बाइक से नियंत्रण खो बैठने के कारण दुर्घटना का शिकार हुए दो युवकों पर कुछ उग्र लोगों द्वारा किए गए ताबड़तोड़ और नृशंस हमलों के कारण 19 वर्षीय उभरते छात्र धनजीत कलिता को समय से पहले ही अपनी जान गंवानी पड़ी। वहीं, इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए विशाल दास नाम का दूसरा युवक वर्तमान में चांगसारी स्थित एम्स में अत्यंत नाजुक हालत में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इस पैशाचिक घटना ने पूरे रंगिया इलाके में भारी सनसनी, रोष और गहरा शोक पैदा कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्गा पूजा की महाअष्टमी के दिन रंगिया के धनजीत कलिता और उनके दोस्त विशाल दास समेत करीब 6-7 सहपाठियों का एक दल बोर्का की पूजा देखने गया था। पूजा पंडाल के पास सड़क किनारे पड़ी बालू या किसी अन्य कारण से बाइक पर से उनका नियंत्रण छूट गया और उन्होंने सड़क किनारे खड़े नारियल के पेड़ में टक्कर मार दी। दुर्घटना होते ही घटनास्थल पर जमा हुए कुछ उपद्रवी और उन्मादी लोगों ने बिना कुछ जाने-पूछे दोनों युवकों पर पैशाचिक तरीके से ताबड़तोड़ मारपीट शुरू कर दी। परिजनों ने गुस्से में बताया कि हमला इतना नृशंस और बर्बर था कि युवकों के संवेदनशील अंगों पर अमानवीय रूप से चोट पहुंचाई गई। इस अमानवीय हमले के शिकार हुए धनजीत कलिता की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, विशाल दास नाम का दूसरा युवक इस हमले के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल विशाल को चांगसारी एम्स के आपातकालीन चिकित्सा विभाग में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

# धुबड़ी : बिलासीपाड़ा में एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी जिले की बिलासीपाड़ा में एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान बांग्लादेश के लालमोनिरहहांट के निवासी रोबीउल शेख के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार यह घटना 22 अक्तूबर 2026 की रात की है। स्थानीय निवासी कोच राजवंशी स्टूडेंट यूनियन के कार्यकर्ताओं ने उसे धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा थाना के अंतर्गत ऊदममारी इलाके में संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा। स्थानीय संगठन के सदस्यों ने उसे पकड़ कर लखीगंज पुलिस के हवाले कर दिया। शुरुआत में हिरासत में रहने के बाद लखीगंज पुलिस ने उक्त पकड़े गए व्यक्ति को आगे की पूछताछ और जांच के लिए बिलासीपाड़ा पुलिस स्टेशन मे स्थानांतरित कर दिया। पुलिस फिलहाल उसे भारत में अवैध प्रवेश के कारणों और इस क्षेत्र में उनकी मौजूदगी की गहरी जांच कर रही है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर काफी चिंता और चर्चा का माहौल है।

# सादगी की मिसाल : बीटीसी के कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय ने जीता जनता का दिल, सत्ता के शीर्ष पर भी कायम है जमीनी जुड़ाव

**कोकराझाड़ ( विभास )।** राजनीति और सत्ता की दहलीज पर कदम रखते ही अक्सर जनप्रतिनिधियों के तेवर और जीवनशैली बदलने की शिकायतें आम रहती हैं। लेकिन पूर्वोत्तर के बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) से एक ऐसी तस्वीर सामने आ रही है, जो आज के राजनीतिक परिवेश में सादगी और जनसेवा की दुर्लभ मिसाल पेश कर रही है। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के कार्यकारी सदस्य (ईएम) करमेश्वर राय अपने विनम्र व्यवहार और आम जनता से सीधे जुड़ाव को लेकर चर्चा के केंद्र में हैं। एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने के बावजूद करमेश्वर राय की कार्यशैली में न तो कोई आडंबर दिखता है और न ही पद का अहंकार। इलाके के लोगों के अनुसार, करमेश्वर राय का अंदाज अन्य राजनेताओं से काफी जुदा है। वे अक्सर प्रोटोकॉल और सुरक्षा के घेरे से बाहर निकलकर सीधे नागरिकों के बीच पहुंच जाते हैं। राह चलते किसी बुजुर्ग महिला के पास बैठकर उनके सुख-दुख साझा करना हो, बच्चों के साथ घुल-मिलकर हंसी-मजाक करना हो या फिर स्थानीय दुकानदारों व ठेले वालों के पास रुककर उनकी रोजमर्रा की परेशानियां सुनना-यह सब उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। वर्तमान दौर में जब सत्ता और प्रभाव के साथ वीआईपी संस्कृति हावी होती दिखती है, तब करमेश्वर राय का यह सहज रूप स्थानीय जनता के साथ-साथ राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान खींच रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि उनकी सबसे बड़ी ताकत यही है कि वे सत्ता में होने के बावजूद खुद को आम नागरिक ही मानते हैं। जनसेवा को प्राथमिक दायित्व मानकर काम कर रहे करमेश्वर राय का यह जमीनी जुड़ाव पूरे असम और पूर्वोत्तर में सुशासन व सादगी की एक सकारात्मक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है।

संपादकीय

# सियासी समीक्षा का दौर शुरू

अगले विधानसभा चुनाव की कुछ शर्तें तय हो रही हैं और यह एक रूटीन सी है कि सत्ता अपना चौथा साल इस लिहाज से जाहिर करे। विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना डर है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आतंरिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां। भाजपा अपने प्रचार के औजार पैने कर रही है, तो कांग्रेस की जमात 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्त्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठीक बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फार्मूला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है। हिमाचल के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्रियों की ताकत ऐसे फैसलों में महसूस होती रही है, जो अति उदार और लोकप्रियता के मानकों पर आधारित होती है। जाहिर है सुखविंदर सुक्खू भी अपनी महिमा के अनुरूप जनता की ऐसी जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। अंततः जनता क्या देखना चाहेगी यह तय करना विपक्ष में जिम्मेदारी का एहसास रहा है। बतौर नेता विपक्ष जयराम ठाकुर सरकार के विरोध में अपनी पताका फहराते हुए कहां पहुंचे, इसका अवलोकन ही बता पाएगा कि भाजपा में कौनसा गुट भारी है। कम से कम यह तो दिखाई देता है कि जयराम ठाकुर की मुलाकातें दिल्ली में प्रधानमंत्री के कक्ष में सुकून से होती हैं। एक गणित उन्हें दिल्ली दरबार से तमाम उत्तराधिकार और दायित्व प्रदान करता हुआ दिखाई देता है। दूसरी तरफ राजनीतिक व प्रशासनिक तौर पर सशक्त बनकर उभरे सुखविंदर सिंह सुक्खू भी कांग्रेस के मॉडल में अपनी जगह की मजबूती से आगामी चुनाव को देख रहे हैं। ऐसे में विपक्ष चार साल का राजनीतिक दौर ही आगामी चुनाव का आमना सामना करेगा। क्या प्रदेश के पूर्व में सुखविंदर सिंह सुक्खू या पश्चिम में जयराम ठाकुर होंगे या उत्तर-दक्षिण ध्रुव बदलेंगे। जो भी हो चार वर्ष के खाके में सत्तारूढ़ दल की सारी कर्मठता, कार्यसंस्कृति और क्षमता सुक्खू के हाथों में है। दूसरी ओर जयराम ठाकुर भी अपनी जमीन से अगर इंच भी पीछे नहीं हटे, तो आगे बढ़ते उनके अरमान हमेशा दो दो हाथ करते रहेंगे। अब देखना यह है कि भाजपा अपने केंद्र से कितनी शक्ति-कितनी ऊर्जा जयराम को देती है या केंद्र सरकार के कोने से फैसले हिमाचल को महरूम लगाते हैं। दूसरी ओर सुक्खू का रिपोर्ट कार्ड 68 विधानसभा क्षेत्रों में कितनी ग्रीन बसें या हेलिकॉप्टर उड़ाता है। प्रदेश में इस बार फोरलेन का जाल, उड़ान योजना की उड़ान या बनते संवरते गगल एयरपोर्ट का भी हिसाब होगा। यहीं हिसाब सरकार के मंत्रियों और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच भी होगा। यहां दोनों पार्टियों की अपनी-अपनी परंपराओं और पृष्ठ भूमि पर भी बहस का दौर शुरू हो रहा है। क्या दूसरी बार सुक्खू या हर बार जयराम के बीच अंतिम वर्ष की पैमाइश शुरू हो रही है या नहीं, यह काफी हद तक हिमाचल के मध्यवर्गीय मतदाता पर निर्भर करेगा।

विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना डर है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आतंरिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां। भाजपा अपने प्रचार के औजार पैने कर रही है, तो कांग्रेस की जमात 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्त्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठीक बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फार्मूला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है। हिमाचल के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्रियों की ताकत ऐसे फैसलों में महसूस होती रही है, जो अति उदार और लोकप्रियता के मानकों पर आधारित होती है।

संयुक्त राष्ट्र दिवस (24 अक्तूबर) पर विशेष

# 81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी।

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य

उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

देश दुनीया से

# इस्लामो-वामपंथ के विरुद्ध यूरोप में खुला मोर्चा

पिछले हफ्ते के आखिर में फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ्रांस के धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया। जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों द्वारा किया गया एक सुनियोजित 'हमला' करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है। हालांकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएं (इस्लामोफोबिया) भड़काएंगे। अब बात यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव 'इस्लामिस्ट एंट्रीज़्म' (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह, सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी) ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन की ईपीपी ही इसी समूह से आती हैं। यह प्रस्ताव 381 वोटों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद के 15 सदस्य इस मतदान से दूर रहे। चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी का समर्थन किया। इनमें पैट्रियट्स फॉर यूरोप और यूरोप ऑफ सॉवरेन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन कंज़र्वेटिव्स एंड

रिफॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने ज्यादातर इसके खिलाफ वोट दिया, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए। यह प्रस्ताव फ्रांसीसी सरकार की 'राजनीतिक इस्लामवाद' पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर आधारित है। इसमें 'इस्लामिस्ट एंट्रीज़्म' को 'प्रभाव जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने की एक राजनीतिक रणनीति' के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि 'इस्लामी प्रभाव कई तरह के संगठनों और फाउंडेशनों के जरिए काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक, धर्मार्थ, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं।' यूरोप में लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फीसदी हिस्सा हैं। इनमें से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और इटली में रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल निवासी शामिल हैं। फ्रांस में करीब 68 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10 प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फीसदी मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं। इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फीसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएं कुछ भी नहीं हैं। फिर भी यूरोप डरा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत करता है। इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज करना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फिर भी, यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की 'घुसपैठ' के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क अगेंस्ट रेसिज्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के 'इस्लामिस्ट' व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईयू फंडिंग रोक दी जाए। बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित 'मुस्लिम ब्रदरहुड : यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा' शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी। प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफोबिया किस तरह विकसित हुआ है। अब डर इस बात का नहीं है कि आप्रवासी अजनबी हैं और 'एकीकृत' नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि उन मुसलमानों से है, जो अपने लिए बोलने और अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। मध्यम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए यह इस्लामोफोबिक ढांचा राजनीतिक लाभ लेकर आता है।

आप का नजरीया

# 'वोटर नाम' का घोटाला

चुनाव आयोग की एक और करतूत सामने आई है। इसे मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर 'बड़ा घोटाला' करार दिया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम ही बदल दिए गए। अथवा उनके पिता का नाम ही बदल दिया गया। यह करतूत मतदाता सूची के अंतिम संस्करण के प्रकाशन के बाद सामने आई है। ऐसे कई और मामले भी हो सकते हैं कि आम मतदाता आश्वस्त होगा कि अंततः वह मतदाता बन गया है, सूची में उसका नाम दर्ज हो गया है, लेकिन जब चुनाव होंगे और वह मतदान करने जाएगा, तो सूची में कोई और नाम होगा! वह अपना सिर पीट लेगा। चुनाव अधिकारी से बहस भी करेगा और अपना मतदाता पहचान-पत्र भी दिखाएगा, लेकिन चुनाव अधिकारी के लिए तो मतदाता सूची ही मान्य और वैध दस्तावेज है। देश का मतदाता असहाय है। यह चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है? उसके मंसूबे क्या हैं? क्या वाकई वह लोकतंत्र को कुतर रहा है? कांग्रेस ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुछ बेहद गंभीर और संवेदनशील खुलासे किए हैं। उप्र की पीलीभीत सदर विधानसभा सीट का ही उदाहरण लें, तो कोई भी चौंक सकता है। इस क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं, हालांकि मतदाता पहचान-पत्र के 'एपिक' और सीरियल नंबर यथावत हैं। इस क्षेत्र की मतदाता सूची से 804 नाम गायब कर दिए गए हैं, जबकि वे लोग अब भी वहीं रहते हैं। करीब 2600 ऐसे नाम सूची में जोड़े गए हैं, जो उस क्षेत्र के निवासी ही नहीं हैं। बताया गया है कि एक ही विधानसभा क्षेत्र में 16,554 मतदाताओं के नाम को लेकर गड़बड़झाला किया गया है। इस संदर्भ में कांग्रेस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करा दी है। बेशक यह अवैध और आपराधिक करतूत है, जो मानवीय गलती के कारण हुई या चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई! जांच-पड़ताल में यह तथ्य भी सामने आया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 124 सीटों पर करीब 10,000 मतों से ही जीत-हार हुई थी। जीतने वाले अधिकतर भाजपा उम्मीदवार थे। यदि यह घोटाला न किया जाता, तो चुनाव नतीजे कुछ और ही होते! एक और खोज खबर सामने आई है कि चुनाव आयोग का ईसीआईनेट पोर्टल मुख्यालय से ही 'ऑन-ऑफ' किया जाता है। सभी मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) उसे नहीं देख सकते। जो सॉफ्टवेयर के जरिए पोर्टल में देख सकते हैं, उन्हीं के लिए वह सिस्टम 'ऑन' किया जाता है। क्या इस सिस्टम का भी 'केंद्रीकरण' कर दिया गया है और मतदाताओं के नाम मुख्यालय से ही जोड़े-काटे जाते हैं? 'इंडियन एक्सप्रेस' की खोज-खबर में एक चुनाव आयुक्त ने इस मुद्दे पर भी सवाल उठाया था। हालांकि यह कोई स्थापना या आरोप नहीं, बल्कि हमारा सवाल है। यदि चुनाव आयोग अपनी लंबी चुप्पी तोड़े, तो देश के सामने इस सवाल का स्पष्टीकरण भी दे सकता है। यकीनन यह लोकतंत्र-विरोधी, मतदाता-विरोधी साजिश है, जिसके जरिए हररोज नए खुलासे सामने आ रहे हैं। उप्र में मार्च-अप्रैल, 2027 में चुनाव होने हैं। यदि विपक्ष के 11 नेता, एसआईआर और सीईसी के खिलाफ, सर्वोच्च अदालत में साझा याचिका दाखिल कर सकते हैं, तो 11 नेता इक_ होकर चुनाव आयोग के मुख्यालय भी जा सकते हैं और सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता को स्पष्टीकरण के लिए बाध्य कर सकते हैं। आश्चर्य है कि दोनों चुनाव आयुक्त भी इन तमाम संदर्भों में खामोश हैं। चुनाव आयोग ने उस खोज-खबर का आज तक खंडन नहीं किया और न ही अखबार के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया। यानी वे खुलासे सच थे ना! उप्र में ही 2.04 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। बंगाल में 27.16 लाख मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित कर दिया गया था, यह भी सामने आया है।

चुनाव अधिकारी से बहस भी करेगा और अपना मतदाता पहचान-पत्र भी दिखाएगा, लेकिन चुनाव अधिकारी के लिए तो मतदाता सूची ही मान्य और वैध दस्तावेज है। देश का मतदाता असहाय है। यह चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है? उसके मंसूबे क्या हैं? क्या वाकई वह लोकतंत्र को कुतर रहा है? कांग्रेस ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुछ बेहद गंभीर और संवेदनशील खुलासे किए हैं। उप्र की पीलीभीत सदर विधानसभा सीट का ही उदाहरण लें, तो कोई भी चौंक सकता है। इस क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं, हालांकि मतदाता पहचान-पत्र के 'एपिक' और सीरियल नंबर यथावत हैं। इस क्षेत्र की मतदाता सूची से 804 नाम गायब कर दिए गए हैं, जबकि वे लोग अब भी वहीं रहते हैं। करीब 2600 ऐसे नाम सूची में जोड़े गए हैं, जो उस क्षेत्र के निवासी ही नहीं हैं। बताया गया है कि एक ही विधानसभा क्षेत्र में 16,554 मतदाताओं के नाम को लेकर गड़बड़झाला किया गया है। इस संदर्भ में कांग्रेस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करा दी है। बेशक यह अवैध और आपराधिक करतूत है, जो मानवीय गलती के कारण हुई या चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई! जांच-पड़ताल में यह तथ्य भी सामने आया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 124 सीटों पर करीब 10,000 मतों से ही जीत-हार हुई थी।

कुछ अलग

# कहानी की मांग...

हमारी भारतीय फिल्मों की भी कथा अनंत है। मेरी तो समझ में आज तक भी नहीं आया है कि इसमें कोई कहानी होती भी है। परंतु अभिनेता या अभिनेत्री से बात करके देखिए, वे कहेंगे उन्हें अमुक सीन तो कहानी की मांग पर करना पड़ा। गोया कहानी नहीं, काला धंधा हो, जिसमें भानुमति के पिटारे की तरह तमाम काठ-कबाड़ भरा हो। कहानी की मांग के आसरे नायिका शरीर पर एक तार भी नहीं रखना चाहती या फिर स्वीमिंगपूल में नहा लेती या बाथरूम में स्नान-दृश्य देगी अथवा सुहागरात को एकदम जीवंत बना देगी। लोग सोचते हैं कि कितना सजीव चित्र था, परन्तु वह असलियत में नहीं अपितु फिल्माया गया था। वह एक तरह से कहानी की मांग थी। लोग आरोप लगाते हैं कि ये फिल्मों की कहानियां लिखते ही हैं ऐसे लोग, उन्हें अच्छी साहित्यिक कहानियों का ज्ञान नहीं होता, परन्तु यदि हम जिन अच्छी साहित्यिक विषयों पर बनी फिल्मों को उठाकर देखें, जिन्हें कला फिल्म कहा गया है।

दृष्टि कोण

# असहमति की आवाज कानून-संविधान विरुद्ध नहीं

दशकों पुरानी बात है, जब मैंने पहली बार प्रदर्शनकारियों को यह नारा लगाते सुना था—सरकार बदलने वाला नारा। जिस जोश से यह नारा लगाया जा रहा था, उसे मेरे बाल मन ने कहीं गहरे तक छुआ होगा, तभी तो आज तक याद है। वह नारा था—'रोटी-रोजी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।' नारा लगाने वालों के हाथों में 'जनसंघ' के झंडे थे। कल की वही जनसंघ पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी कहलाती है। अब यह पार्टी सत्ता में है और अब इस पार्टी की सरकार बदलने के नारे लग रहे हैं। नारा लगाने वालों में प्रमुख वही कांग्रेस है, जिसकी सरकार को बदलने की बात दशकों पहले भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ किया करती थी। और इसमें कहीं कुछ गलत भी नहीं है। हमारी व्यवस्था जनतांत्रिक है। जनतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार पर नज़र रखना और ज़रूरत पड़ने पर उसे बदलने की कोशिश करना है। आज कांग्रेस पार्टी अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता बदलने की बात कर रही है। भाजपा ने चुनाव जीतकर यह सत्ता हासिल की थी। यह दूसरी बात है कि आज के विपक्ष का आरोप है कि भाजपा ने यह जीत वोट पाकर नहीं, बल्कि वोट चुराकर हासिल की है। इस 'वोट हेराफेरी' के खिलाफ देश में अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। ज़रूरी है कि इन आरोपों की जांच हो। दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए। सत्ता में बैठी ताकतें यदि कुछ गलत कर रही हैं, तो उसे सही करने के लिए हर संभव कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यह सब जनतांत्रिक तरीके से ही होना चाहिए। पिछले

आठ दशकों में हमने अपने देश में जनतांत्रिक व्यवस्था को पूरी शिद्दत के साथ सुदृढ़ बनाया है। हमारे यहां राज्यों और केंद्र में सरकारें बदली हैं। आज फिर यदि सरकार बदलने की बात की जा रही है, तो इसमें कहीं कुछ गलत नहीं है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता बदलने का एकमात्र उचित तरीका जनता का विश्वास प्राप्त करना है। अब तक जनता के वोट से ही सरकारें बनती और बदलती रही हैं और आगे भी जनता का विश्वास प्राप्त करना ही सरकार बनाने का वैध तरीका होगा। मतदाता के पास जाकर और उसका विश्वास जीतकर ही कोई चुनाव जीता जा सकता है। चुनाव आयोग पर 'अनियमितताओं' का आरोप लगाकर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। आरोप यदि सही हैं, तो इस मांग में कहीं कुछ गलत नहीं है। लेकिन हमारी व्यवस्था के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत ही पद से हटाया जा सकता है। विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग भी कर सकता है। देश में जिस तरह अलग-अलग स्थानों पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, उसे देखते हुए स्थिति सुधारने की दिशा में तत्काल कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब विपक्ष चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र ही नहीं मांग रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार फिर यह नारा ज़ोर पकड़ रहा है कि 'जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।' यह बात फिर से रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्तापक्ष अब ज़ोरों से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वर्तमान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त को हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विपक्ष और देश-विरोधी ताकतें सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं—और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज पर! यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है।

# नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए : योगी आदित्यनाथ

## जितेन्द्र सिंह बोले, प्रशासनिक सुधारों व क्षमता विकास में उप्र देश के लिए रोल मॉडल

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को लोकभवन में दीप प्रज्ज्वलित कर मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत दो दिवसीय *साधना श्रृंखला* का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए। नागरिकों को जब समय से समाधान प्राप्त होता है तभी लोकसेवक का उद्देश्य सार्थक होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी शासन के कार्यों को गति दे सकती है लेकिन कार्मिकों का सेवा भाव ही हमें नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाता है। जब प्रशासनिक तंत्र दक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी होता है, तभी शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचता है और सुशासन का संकल्प जनकल्याण के रूप में साकार होता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी तेजी से शासन के स्वरूप को बदल रहे हैं। हमें अपने लोकसेवकों को इन बदलावों के अनुरूप सक्षम बनाने के लिए तैयार रहना होगा। लोकसेवा की कार्य-संस्कृति में परिवर्तन हम सबके लिए एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए ग्राम पंचायतों के कार्मिकों की क्षमताएं भी बढ़ानी होंगी। डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहल के माध्यम से देश की प्रशासनिक कार्य-संस्कृति को नई दिशा दे रही है। मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस की भावना के अनुरूप कर्मयोगी उत्तर प्रदेश अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रकृति एवं परमात्मा की असीम कृपा का प्रदेश है। फिर भी लंबे समय तक यूपी विपन्न रहा। प्रदेश अपनी पहचान के लिए मोहताज रहा। यहां संभावनाएं विद्यमान थीं लेकिन उन्हें उपलब्धियों में बदलने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। उत्सव पूर्ण राज्य को उपद्रव ग्रस्त प्रदेश बना दिया गया। मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में काम हुआ। प्रदेश की जीडीपी तीन गुना बढ़ गयी है। पिछले साढ़े 9 वर्षों में 65 लाख गरीबों को आवास, 3 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय और 15 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ दिया है। हम पूरी दमदारी के साथ कह सकते हैं कि हर योजना का लाभ हर गरीब तक ईमानदारी के साथ पहुंचा है। भारत का सबसे बड़ा रोड नेटवर्क, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और सबसे बड़ा एयर कनेक्टिविटी का नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास मौजूद है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास में उत्तर प्रदेश देश के लिए रोल मॉडल है। उत्तर प्रदेश प्रशासनिक क्षमता विकास के क्षेत्र में रोल माडल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। प्रदेश में योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए गए हैं। डॉ. सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी प्रयास का परिणाम तब तक नहीं दिखता जब तक उसका जमीनीस्तर पर अमल न हो। उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए सुशासन सुधारों को लागू करने की दिशा में सदैव सक्रिय रही है। ये प्रयास प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और नागरिक-केंद्रित शासन को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम को मुख्य सचिव एसपी गोयल और क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष राधा चौहान ने भी संबोधित किया। इस कार्यशाला में 8 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों के कार्मिक सहभागिता कर रहे हैं।

## पंजाब विधानसभा में एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ प्रस्ताव पारित

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब विधान सभा में शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूचियों के संशोधन के दौरान योग्य नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग वाला महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पेश किया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार और संबंधित संवैधानिक प्राधिकरणों से यह भी अपील की गई कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, मतदाता सूचियों में मौजूद खामियों की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रत्येक योग्य नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान समानता, न्याय और जनता की सर्वोच्चता के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, 325 और 326 चुनाव प्रणाली की निगरानी करने, मतदाता सूचियों में भेदभाव रोकने और वयस्क मताधिकार की गारंटी संबंधी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## पंजाब विधानसभा से कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा निलंबित

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र की आगामी बैठकों के लिए कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को निलंबित कर दिया गया। शुक्रवार को पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया। वित्त मंत्री ने विधायक पर आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग करने, चेयर के आदेशों की अवहेलना करने और सदन की कार्यवाही में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया, जिसके कारण विधान सभा का बहुमूल्य समय बर्बाद हुआ और सदन की गरिमा को ठेस पहुंची। चीमा ने कहा कि सदस्यों ने सुखपाल सिंह खैहरा के आपत्तिजनक शब्दों पर कड़ा आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आपत्तिजनक शब्दावली पंजाब के परिश्रमी मजदूरों, विशेषकर अनुसूचित जातियों से संबंधित लोगों के स्वाभिमान और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के श्रमिक वर्ग ने राज्य की प्रगति और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक, और विशेष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधियों का यह कर्तव्य बनता है कि वे श्रमिक वर्ग की कड़ी मेहनत, ईमानदारी और समाज के प्रति योगदान का सम्मान करें। विधायक

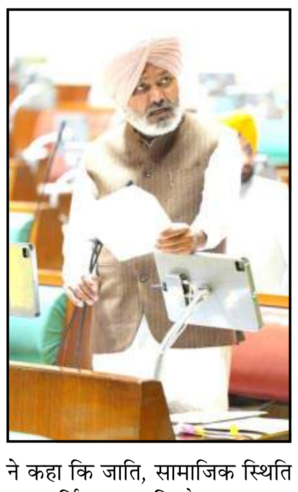

ने कहा कि जाति, सामाजिक स्थिति या आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी व्यक्ति या समूह को नीचा दिखाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। विधायकों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी जिम्मेदारी से पेश आएं और सदन की गरिमा बनाए रखें। हरपाल सिंह चीमा ने कांग्रेस पार्टी के खेदजनक रवैए के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद, सुखपाल सिंह खैहरा को सत्र के शेष समय के लिए निलंबित करने संबंधी प्रस्ताव मतदान के लिए पेश किया गया और स्पीकर द्वारा इसे सर्वसम्मति से पारित करने की घोषणा की गई।

## चिकित्सकों के विरुद्ध हिंसा के चित्रण पर आईएमए ने जताया विरोध

**जोधपुर ( हिंस )।** फिल्म *सूर्या-अंत से आरंभ तक* के टीजर में चिकित्सकों एवं अस्पतालों के नकारात्मक चित्रण तथा स्वास्थ्यकर्मियों के विरुद्ध हिंसा दिखाए जाने पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, जोधपुर ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। संगठन के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ चिकित्सकों ने इसे चिकित्सा समुदाय के सम्मान, सुरक्षा और डॉक्टर-मरीज के बीच विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए सशक्त विरोध तथा कानूनी विकल्पों पर विचार करने की बात कही है। आईएमए जोधपुर के सचिव डॉ. प्रदीप जैन ने बताया कि राजस्थान राज्य आईएमए ने मामले को आगे बढ़ाते हुए फिल्म के निर्माता-निर्देशक एवं केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को औपचारिक पत्र भेजा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा एवं मानद राज्य सचिव डॉ. एनके अग्रवाल सहित राज्य पदाधिकारियों ने रिलीज से पहले विवादित सामग्री की निष्पक्ष समीक्षा, आपत्तिजनक दृश्यों में आवश्यक संशोधन और स्वास्थ्यकर्मियों के विरुद्ध हिंसा का महिमामंडन रोकने की मांग की है। अन्य स्तरों पर भी विरोध की पहल हुई है। हरियाणा आईएमए ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की है, जबकि राष्ट्रीय आईएमए ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखकर समीक्षा और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई का आग्रह किया है। आईएमए जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ राज लोढ़ा ने कहा कि जोधपुर से भी इस विषय पर विरोध की सशक्त आवाज उठनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह चिकित्सकों के सम्मान से जुड़ा मुद्दा है, जिसे गंभीरता और मजबूती से उठाने की आवश्यकता है। आईएमए जोधपुर के सदस्य डॉ. प्रदीप शर्मा ने सुझाव दिया कि जोधपुर आईएमए की ओर से जनहित याचिका दायर करने की संभावना पर विधिक राय ली जानी चाहिए। आईएमए जोधपुर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. संजय मकवाना ने फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक के विरुद्ध उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का सुझाव दिया। वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ. एन.एम. मेहता ने सुझाव दिया कि आईएमए जोधपुर अथवा राजस्थान को फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग के लिए न्यायालय में रिट याचिका दायर करने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

### अनशनकारी लक्ष्मी तंवर की बिगड़ी तबीयत

## 25 अक्तूबर को जयपुर में जुटेगा सवर्ण समाज

**जयपुर ( हिंस )।** सवर्ण समाज की मांगों को लेकर राष्ट्रीय करणी सेना की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मी तंवर का अनिश्चितकालीन अनशन छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी सामने आई है। संगठन के अनुसार, मेडिकल जांच में यूरिन में कीटोन बॉडीज का स्तर 3+ मिला है। साथ ही ब्लड शुगर बार-बार गिरने और शरीर में पानी की कमी के कारण इलेक्ट्रोलाइट्स में असंतुलन की स्थिति बताई गई है। संगठन ने सरकार की ओर से अब तक कोई प्रतिनिधि अनशन स्थल पर नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए आंदोलन को देशव्यापी स्तर पर ले जाने की चेतावनी दी है। राष्ट्रीय करणी सेना भवन पर अनशन कर रहीं लक्ष्मी तंवर की स्वास्थ्य जांच के लिए सुबह-शाम मेडिकल टीम निगरानी कर रही है। टीम में डॉ. राजेंद्र यादव, एमडी मेडिसिन, डॉ. कुलदीप सिंह सहित मेडिकल स्टाफ शामिल है। संगठन के राष्ट्रीय

अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत के अनुसार, ब्लड शुगर बार-बार कम होने के कारण लक्ष्मी तंवर को फ्लूइड देना पड़ रहा है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बावजूद वह अनशन जारी रखने पर अडिग हैं। शिव सिंह शेखावत ने कहा कि सवर्ण समाज की मांगें लंबे समय से उठाई जा रही हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अनशन पर बैठी महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ने के बावजूद सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे मिलने नहीं पहुंचा। मांगों पर तत्काल विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को राजस्थान से बाहर देशभर में फैलाया जाएगा। राष्ट्रीय करणी सेना के नेतृत्व में रविवार, 25 अक्तूबर को सुबह 9 बजे जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में सवर्ण आक्रोश सभा आयोजित की जाएगी। संगठन के अनुसार, इसमें राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से सवर्ण समाज और अन्य सामाजिक संगठनों के लोग शामिल होंगे। सभा में आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी नियमों की वापसी, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन, गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, ईडब्ल्यूएस प्रावधानों के सरलीकरण और सवर्ण आयोग के गठन की मांग उठाई जाएगी। सभा के समर्थन में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्रवाल, खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष रमेश तुंगावाला, विप्र समाज के अध्यक्ष सुनील उदेईया और परशुराम सेना के एडवोकेट अनिल चतुर्वेदी ने समर्थन जताया है। राष्ट्रीय करणी सेना भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मी तंवर, हरियाणा से ओकेन्द्र राणा, उत्तर प्रदेश से वीरू सिंह और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठन का कहना है कि सभा में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि मांगों के समर्थन में आवाज उठाएंगे। राष्ट्रीय करणी सेना ने आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी नियमों की वापसी, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन, गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, ईडब्ल्यूएस प्रावधानों के सरलीकरण और सवर्ण आयोग के गठन को अपनी प्रमुख मांगें बताया है। शिव सिंह शेखावत ने कहा कि मांगों के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। संगठन ने 25 अक्तूबर की सभा को आंदोलन का अहम पड़ाव बताते हुए संघर्ष जारी रखने की बात कही है।

## पिंकसिटी प्रेस क्लब के 35वें स्थापना दिवस पर हुआ पत्रकारों का सम्मान

**जयपुर ( हिंस )।** पिंकसिटी प्रेस क्लब के 35वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को आयोजित मुख्य समारोह में वरिष्ठ और युवा पत्रकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ तथा सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा शामिल हुए। समारोह में लाइफ टाइम अचीवमेंट, वर्ष के श्रेष्ठ पत्रकार, संपादक सहित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, वीडियो और फोटो पत्रकारिता की विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा और महासचिव राजकुमार शर्मा ने बताया कि दैनिक नवज्योति के मुख्य संवाददाता एवं वरिष्ठ पत्रकार एलएल शर्मा को पत्रकारिता में अतुलनीय योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। दैनिक निराला समाज

के प्रेम शर्मा, जसविंदर बल, कुंजेश पतसरिया, शिवदयाल मिश्रा और राजेश पारीक को भी यह सम्मान प्रदान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार एवं क्लब के संस्थापक सदस्य प्रवीण चंद्र छाबड़ा का भी सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सम्मानित पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना है और तथ्यात्मक तथा त्वरित समाचार आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका है। राज्य सरकार हर वर्ग और क्षेत्र के हित में फैसले लेकर प्रदेश के विकास के लिए काम कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नवाचारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में मीडिया का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित में प्रयास कर रही है और कई बार मीडिया के माध्यम से सामने आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर संबंधित मामलों की जांच भी कराई जाती है। कार्यक्रम में उन्होंने पत्रकारों को सम्मानित किया और क्लब के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पिंकसिटी प्रेस क्लब को और भव्य रूप देने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग दिलाने की बात कही। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकारों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए क्लब के उन्नयन में सहयोग का आश्वासन दिया। विधायक गोपाल शर्मा ने भी विधायक कोष से प्रेस क्लब को सहयोग देने की बात दोहराई। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मिथिलेश जैमिनी को बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर और समाचार प्लस के सुधांशु माथुर को बेस्ट एडिटर ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया गया। कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय पत्रकारिता के लिए राहुल शर्मा गौतम को उत्कृष्टता सम्मान दिया गया। प्रिंट मीडिया श्रेणी में दैनिक भास्कर के मदन कलाल और सुभाष बंसल तथा दैनिक नवज्योति के अरुण गुप्ता और मॉर्निंग न्यूज के विनोद शर्मा को सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में आजतक के शरत कुमार, आईबीएन-7 से जुड़े भवानी सिंह देवड़ा, ध्वज आर्य, भारत दीक्षित, जितेश जेठानंदानी और पीयूष शर्मा को बेस्ट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अवार्ड दिया गया। वीडियो पत्रकारिता में दिनेश शर्मा और दिनेश सविता को सम्मानित किया गया। फोटो पत्रकारिता श्रेणी में फर्स्ट इंडिया के संतोष शर्मा, सच बेधड़क के पंकज शर्मा और दैनिक भास्कर के दीपक सैनी को बेस्ट फोटो जर्नलिस्ट पुरस्कार प्रदान किए गए। फोटो प्रदर्शनी के संयोजन के लिए सुनील शर्मा और महेश आचार्य को भी सम्मानित किया गया। समारोह में क्लब के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार उपस्थित रहे।

## बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के मद्देनजर नूंह में 13 ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

**नूंह ( हिंस )।** हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर जारी बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के मद्देनजर जिला प्रशासन ने कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। जिलाधीश एवं उपायुक्त अखिल पिलानी ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 24 अक्तूबर 2026 तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। संबंधित अधिकारियों को पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आवश्यक सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधीश की ओर से जारी आदेशों के अनुसार, नियुक्त अधिकारी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग करेंगे। सभी अधिकारियों को अपने निर्धारित क्षेत्रों में सतर्क रहने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक समन्वय बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक आदेश के तहत रोजका मेव थाना क्षेत्र में बागवानी विकास अधिकारी मनीष कुमार, शहर नूंह थाना क्षेत्र में जिला समाज कल्याण अधिकारी बिरेंद्र सिंह और सदर नूंह थाना क्षेत्र में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अंकित यादव को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार आकेड़ा थाना क्षेत्र में जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ जयदेव, शहर फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र में जिला प्रयोगशाला केमिस्ट ताहिर हुसैन और सदर फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अजीत सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शहर पुन्हाना थाना क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय पुन्हाना के सहायक प्रोफेसर डॉ. आकाश तथा सदर पुन्हाना थाना क्षेत्र में जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सुमित वर्मा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वहीं, बिछोर थाना क्षेत्र में खंड कृषि अधिकारी सुनील कुमार, पिनगवां थाना क्षेत्र में जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सुरेंद्र सिंह और नगीना थाना क्षेत्र में नायब तहसीलदार रवि कुमार की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त शहर तावडू थाना क्षेत्र में उपमंडल अभियंता आबिद हुसैन तथा सदर तावडू एवं मोहम्मदपुर अहीर थाना क्षेत्र में नायब तहसीलदार दया चंद को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। जिलाधीश अखिल पिलानी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने निर्धारित क्षेत्रों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें तथा पुलिस प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर कार्य करें। हड़ताल के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने और आवश्यक सेवाओं को प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर सतर्कता बरतने को कहा गया है।

## नाबालिग की शादी होना हर अपराध का सबूत नहीं : हाईकोर्ट

**जोधपुर ( हिंस )।** राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की को पैसे देकर खरीदने और उसकी शादी कराने के आरोप में दोषी ठहराए गए दो लोगों को राहत दी है। हाईकोर्ट ने दोनों की 20 साल तक की सजा निलंबित कर अपील का फैसला होने तक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस फरजंद अली ने आदेश में कहा कि मामले में लड़की को बेचने के बदले पैसे दिए जाने या लिए जाने के ठोस सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने एक अहम गवाह के बयान को भी महत्वपूर्ण माना। हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ नाबालिग की शादी होने से यह अपने आप साबित नहीं हो जाता कि आरोपियों ने उन सभी अपराधों को अंजाम दिया है, जिनमें उन्हें दोषी ठहराया गया। हाईकोर्ट ने माना कि पैसों के कथित लेन-देन, गवाह के बयान और शादी की परिस्थितियों पर अपील की सुनवाई के दौरान विस्तार से विचार करने की जरूरत है। हालांकि, कोर्ट ने अभी दोषसिद्धि पर अंतिम फैसला नहीं दिया है। दोनों की सजा अपील का फैसला आने तक निलंबित की गई है। यानी उन्हें सिर्फ अपील का फैसला आने तक जेल से बाहर रहने की राहत मिली है। मामले में श्रवण नाथ की ओर से अधिवक्ता जे.वी.एस. देवड़ा और आरएस रावल ने पैरवी की। वहीं, राज्य सरकार की ओर से डिप्टी गवर्नमेंट एडवोकेट नरेंद्र गहलोत और राजेंद्र चारण ने पक्ष रखा। मामला श्रवण नाथ और मांगूनाथ से जुड़ा है। उदयपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 25 मार्च 2026 को दोनों को दोषी ठहराते हुए अधिकतम 20 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। दोनों को पॉक्सो एक्ट की धारा 6/17 और 5/6 के तहत सजा दी गई थी। अन्य अपराधों में भी कम अवधि की सजा सुनाई गई थी। दोनों ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की और अपील के अंतिम निपटारे तक सजा सस्पेंड करने की मांग की। वहीं राज्य सरकार की ओर से इस मांग का विरोध किया गया। दोनों दोषियों की ओर से वकीलों ने कहा कि ट्रायल के दौरान वे जमानत पर थे और उन्होंने जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया। वकीलों ने कहा कि हाईकोर्ट अपील की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान और दूसरे सबूतों का दोबारा आकलन कर सकता है। चूंकि अपील के निपटारे में समय लग सकता है, इसलिए तब तक सजा निलंबित उन्हें जेल से बाहर रहने की राहत दी जाए। वहीं हाईकोर्ट ने माना कि सजा निलंबित करने के मामले में यह देखना जरूरी है कि अपील में ऐसे आधार हैं या नहीं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। अगर सबूतों और ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों पर सवाल उठते हैं, तो अपील का अंतिम फैसला आने तक सजा निलंबित करने पर विचार किया जा सकता है।

## पंजाब में 11वें दिन भी नहीं हुआ झोटा का अंतिम संस्कार, सरकार ने परिजनों की 12 मांगें मानी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के मानसा में मारे गए एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा का 11वें दिन भी अंतिम संस्कार नहीं हो पाया है।एक्शन कमेटी और एसआईटी की एक अहम बैठक शुक्रवार को हुई, जो कई घंटे तक चली। बैठक में एक्शन कमेटी और परिवार की 14 मांगों में से 12 मांगें मान ली गईं। इसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी के इस्तीफा देने की मांग को छोड़कर सभी मांगों को पूरा कर दिया गया। एसआईटी की ओर से एक्शन कमेटी को इन मांगों के संबंध में लिखित पत्र भी सौंपा गया है। एक्शन कमेटी ने सरकार की ओर से मिले लिखित पत्र पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई है। बैठक में पोस्टमॉर्टम करवाने और शव को पीजीआई चंडीगढ़ भेजने पर फैसला लिया जा सकता है। सीबीआई ने मुख्य आरोपित अश्विनी कुमार को मोहाली में स्थित कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे 5 दिन की रिमांड पर भेजा गया।

## जमीन जबरन अधिग्रहण के खिलाफ किसान करेंगे जिला प्रशासन का घेराव

**नवादा ( हिंस )।** नवादा जिले के मोतनाजे-मधुबन क्षेत्र में किसानों की सैकड़ों एकड़ जमीन के अधिग्रहण और खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाने के विरोध में किसान अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 अक्तूबर को जिला समाहरणालय पहुंचकर जिला प्रशासन का घेराव करने की घोषणा की है। किसानों ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में कानून का पालन करने, बर्बाद हुई फसलों का नुकशान कर दमनात्मक कार्रवाई का हिसाब मांगने की बात कही है। शुक्रवार को प्रेसवार्ता में किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह, दिनेश कुमार, कपिल देव प्रसाद और पवन कुमार ने कहा कि किसानों की सहमति के बिना जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोतनाजे-मधुबन के किसानों के बीच पुलिसिया कार्रवाई के जरिए भय का माहौल पैदा किया गया है। नेताओं ने कहा कि कानून की रक्षा करने वाले ही

जब किसानों के अधिकारों की अनदेखी करेंगे, तो उनके सामने आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। किसान नेताओं ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 का हवाला देते हुए कहा कि जमीन अधिग्रहण से पहले सामाजिक प्रभाव आकलन, नियमानुसार सहमति और उचित मुआवजे की प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए। उनका आरोप है कि इन प्रावधानों की अनदेखी कर किसानों की जमीन लेने का प्रयास किया जा रहा है। मोर्चा ने इस कार्रवाई की निंदा की। नेताओं ने कहा कि किसान अपनी मेहनत और लाखों रुपए खर्च कर खेतों में धान की फसल तैयार कर रहे थे। फसल पककर घर आने वाली थी, लेकिन उसे रौंद दिए जाने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की पीड़ा और बार-बार आयोजित महापंचायतों के बावजूद प्रशासन ने अब तक उनकी मांगों पर उचित पहल नहीं की है। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि 26 अक्तूबर को जिला प्रशासन से नुकसान का मुआवजा और कार्रवाई का जवाब मांगा जाएगा। मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर नवादा सहित पूरे बिहार के किसान सड़क पर उतरेंगे। नेताओं ने दो टूक कहा कि किसान अपनी जमीन बचाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे और किसी भी कीमत पर अपने अधिकारों से पीछे नहीं हटेंगे।

# सर्राफा बाजार में गिरावट जारी– 1,700 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 5,000 तक लुढ़का

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमत घटने का असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सर्राफा बाजार में इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में जबरदस्त गिरावट आई है। सोना 1,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 5,000 रुपये प्रति 10 किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है।

कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,24,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### ड्राइविंग लाइसेंस अब और मुश्किल, पासिंग मार्क्स बढ़े, आनलाइन परीक्षा में अब 75 फीसदी अंक अनिवार्य

**नई दिल्ली।** ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अब और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सुरक्षित ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए आनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रस्ताव किया है। इसके साथ ही, कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कुछ सेवाओं को निशुल्क करने की भी तैयारी है, जिससे आवेदकों को सुविधा मिलेगी। मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे के अनुसार सुरक्षित ड्राइविंग हेतु न्यूनतम 30 मिनट का एक अनिवार्य आनलाइन पाठ्यक्रम भी पास करना होगा। इन बदलावों का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना है। अच्छी खबर यह है कि आधार से सत्यापित कुछ चुनिंदा आनलाइन लाइसेंस सेवाओं के लिए शुल्क में छूट देने का भी प्रस्ताव है। साथ ही, लाइसेंस में नाम और पते में बदलाव के लिए अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। लाइसेंस विवरण में बदलाव के आवेदनों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा, और अस्वीकृति की स्थिति में कारण भी बताने होंगे। पहचान, आयु और निवास के प्रमाण के रूप में आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ई–राशन कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, सभी नए और नवीनीकृत होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस अब फार्म–7 के तहत लैमिनेटेड या पीवीसी कार्ड के रूप में जारी किए जाएंगे।

### एआई ने बैंकिंग में दी दस्तक, बार्कलेज 5000 नौकरियों की करेगा कटौती, ब्रिटिश बैंक ने लागत घटाने और दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया कदम

**नई दिल्ली।** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दोहरा प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है- जहां एक ओर यह उत्पादकता बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार पर तलवार बनकर लटक रहा है। आईटी क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर भी इसकी चपेट में आ गया है। हाल ही में, ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने घोषणा की है कि वह 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 5 फीसदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बार्कलेज का लक्ष्य एआई के उपयोग से अपनी निश्चित लागतों को कम करना और लाभप्रदता में सुधार करना है। घोषित 5,000 नौकरियों की कटौती में से, लगभग 1,000 पद पहले ही समाप्त किए जा चुके हैं, जबकि शेष कर्मचारियों को साल 2026 के अंत तक बाहर किया जा सकता है। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है जब बैंक ने अपनी तीसरी तिमाही में 2.3 अरब पाउंड (लगभग 29,193 करोड़ रुपये) का प्रभावशाली मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में बेहतर था, विशेषज्ञों का अनुमान था कि मुनाफा और अधिक हो सकता था, जिसका मुख्य कारण बैंक के फिक्स्ड–इनकम ट्रेडिंग कारोबार का कमजोर प्रदर्शन रहा।

### म्यूचुअल फंड की एक ही स्कीम में मिलता है निवेश का मौका, खर्च-रिर्टन में अंतर

**मुंबई।** म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय निवेशकों के सामने डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में से किसी एक को चुनने का विकल्प होता है। दोनों में निवेश एक ही स्कीम के तहत हो सकता है,

लेकिन इनके खर्च और निवेश संबंधी सहायता में अंतर होता है। सही विकल्प का चुनाव निवेशक के अनुभव, जानकारी और निवेश प्रबंधन की जरूरतों पर निर्भर करता है जैसे कोई व्यक्ति मालदीव घूमने की योजना बनाता है, तो वह ट्रैवल एजेंट की मदद से होटल, यात्रा और घूमने की जगहों की बुकिंग करा सकता है। दूसरा विकल्प यह है कि वह खुद रिसर्च करके पूरी यात्रा की योजना बनाए। म्यूचुअल फंड में रेगुलर प्लान और डायरेक्ट प्लान के बीच भी कुछ ऐसा ही अंतर है। डायरेक्ट प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी या उसके अधिकृत प्रत्यक्ष निवेश जरिए सीधे निवेश करता है। इसमें डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन नहीं जुड़ता, इसलिए इसका एक्सपेंस रेश्यो यानी निवेश प्रबंधन का सालाना खर्च आम तौर पर रेगुलर प्लान से कम होता है। कम खर्च का लाभ लंबे समय में निवेश के मूल्य पर पड़ सकता है। समान स्कीम में डायरेक्ट प्लान का नेट एसेट वैल्यू आम तौर पर रेगुलर प्लान से ज्यादा होता है। हालांकि, दोनों प्लान का वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन और संबंधित खर्चों पर निर्भर करता है। रेगुलर प्लान में निवेशक डिस्ट्रीब्यूटर, बैंक या वित्तीय सलाहकार के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करता है।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला–जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान भारी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का माहौल बना रहा और प्रमुख सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। यहां कुछ प्रमुख बाजारों में रिकवरी और बढ़त बनी हुई है, तो कुछ सूचकांक गिरावट के साथ संघर्ष करते नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक बड़े नुकसान के साथ बंद हुए। जून की शुरुआत के बाद से नैस्डैक में एक दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट रही। कई बड़ी कंपनियों की अर्निंग रिपोर्ट आने के बाद एआई पर होने वाले खर्च की होड़ को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज पूरे सत्र में दबाव में काम करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से 11.89 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 52,867.98 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

वहीं एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 93.74 अंक यानी 1.21 प्रतिशत का बड़ा नुकसान दर्ज करते हुए 7,663.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। टेक कंपनियों से भरा नैस्डैक कंपोजिट, माइक्रोचिप शेयरों में गिरावट के चलते और भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। लगातार दबाव में काम करने के कारण यह सूचकांक 694 अंक यानी 2.60 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 26,008.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स सुबह फिलहाल 116.52 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,751.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली का माहौल बना रहा, जिसके कारण प्रमुख सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 273.29 अंक यानी 1.08 प्रतिशत लुढ़क कर 25,371.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी 40 इंडेक्स ने 110.42 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,811.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा ब्रिटेन का एफटीएसई 100 इंडेक्स भी 27.85 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,725.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला–जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के प्रमुख बाजारों में से चार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांकों में गिरावट की वजह से लाल निशान बना हुआ है। ताइवान और थाईलैंड के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह अमेरिकी बाजारों की भारी मंदी के बावजूद मामूली रिकवरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 21 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 22,735.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में मची हाहाकार के असर से जापान के बाजार में भारी बिकवाली देखी जा रही है। यहां निक्केई 225 इंडेक्स बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 497.84 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की मंदी के साथ गिर कर 62,410 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके विपरीत, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 28.82 अंक यानी 0.54 प्रतिशत उछल कर 5,408.90 अंक के स्तर पर आ गया है।

वहीं, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स अमेरिकी मंदी को दरकिनार कर मजबूती दिखा रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 130.32 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,065 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में मुनाफावसूली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। मुनाफावसूली की वजह से बने बिकवाली के दबाव के कारण फिलहाल कोस्पी इंडेक्स 37.25 अंक यानी 0.67 प्रतिशत फिसल कर 5,496.52 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में अच्छी खरीदारी के चलते सुधार देखने को मिल रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 31.22 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,419.16 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 43.91 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,614.12 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

# कच्चे तेल में भारी उछाल, घरेलू ईंधन महंगा होने का खतरा

**ब्रेंट क्रूड 114 डालर प्रति बैरल के पार**

नई दिल्ली

भू–राजनीतिक तनाव और आपूर्ति चिंताओं के बीच कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगातार जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड 114 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की आशंका तेज हो गई है।

यह लगातार तीसरा हफ्ता है जब ब्रेंट क्रूड की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है और बीते एक हफ्ते में इसमें 8 फीसदी तक का उछाल आया है। हालिया आंकड़ों के अनुसार ब्रेंट क्रूड 0.45 फीसदी बढ़कर 114.02 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.42 फीसदी उछलकर 100 डालर पर पहुंच गया। इस तेजी के पीछे कई भू–राजनीतिक कारक जिम्मेदार हैं। दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल सप्लायर सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच जारी संघर्ष एक प्रमुख कारण है। हूती समूह लाल सागर के महत्वपूर्ण शिपिंग रूट बाब अल–मंदेब की ओर बढ़ रहा है, जो स्वेज नहर के माध्यम से एशिया को यूरोप से जोड़ता है।

इसी मार्ग से दुनिया के लगभग 10 फीसदी से 12 फीसदी समुद्री तेल का व्यापार होता है। इस मार्ग के बाधित होने की आशंका ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे मालभाड़े की लागत और रिटेल स्तर पर पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ने की संभावना है। सऊदी अरामको ने सुरक्षा कारणों से अपने धहरान स्थित मुख्यालय को भी खाली करने का आदेश दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल एक बार फिर ईरान पर नए सिरे से हमले की योजना बना रहे हैं, जिसके लिए दोनों देशों की सेनाएं अभ्यास कर रही हैं।

इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने सीरिया और इराक के एयरस्पेस का उपयोग करते हुए ईरान की सीमा तक एक बड़ी अभ्यास उड़ान भी भरी है। इन घटनाक्रमों से तेल बाजार में अनिश्चितता और बढ़ गई है। रेटिंग एजेंसी आईक्रेए का अनुमान है कि यदि कारोबारी साल 2026–27 की दूसरी छमाही में ब्रेंट क्रूड का औसत भाव 105–115 डालर के दायरे में रहता है, तो सरकारी तेल कंपनियों पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का दबाव काफी बढ़ जाएगा। सरकार बेशक उपभोक्ताओं को राहत देने का प्रयास करेगी, लेकिन बढ़ती आयात बिल और लाजिस्टिक्स लागत के कारण कीमतों में वृद्धि अपरिहार्य हो सकती है।

## रायल एनफील्ड क्लासिक 350 बिक्री में बनी नंबर-1

**नई दिल्ली।** रायल एनफील्ड क्लासिक 350 ने कंपनी के पोर्टफोलियो में सितंबर 2026 में सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकिल बन गई है। सितंबर में इसकी कुल 47,286 यूनिट्स बिकीं, जो सितंबर 2025 की तुलना में 16.9 प्रतिशत की प्रभावशाली सालाना वृद्धि दर्शाती हैं। रायल एनफील्ड की कुल बिक्री में क्लासिक 350 की हिस्सेदारी लगभग 39 प्रतिशत रही, जो भारतीय ग्राहकों के बीच इसकी अटूट लोकप्रियता को दर्शाता है। बुलेट 350, 28,529 यूनिट्स की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही, जिसमें 10.09 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, हंटर 350 ने 25,692 यूनिट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और इसकी बिक्री में 17.85 प्रतिशत का उछाल आया। कंपनी के 350 सीसी सेगमेंट में मीटियोर 350 की 10,772 यूनिट्स बिकीं, लेकिन इसकी बिक्री में 25.38 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हिमालयन और 650 ट्विन माडलों ने भी क्रमशः 23.1 प्रतिशत और 25.1 प्रतिशत की सालाना गिरावट का सामना किया, जिनकी बिक्री क्रमशः 3,029 और 2,888 यूनिट्स रही। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि जहां कंपनी के कुछ मुख्य माडल मजबूती से प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं अन्य को बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी बिक्री प्रभावित हुई है।

# इंडियन बैंक की स्पेशल एफडी पर मिलेगा शानदार रिटर्न

**555 और 777 दिन की इंड ग्रो व इंड प्रास्पर स्कीमों पर 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी**

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने अपनी दो विशेष एफडी योजनाओं पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि 0.15 प्रतिशत की है, जो 23 अक्टूबर से प्रभावी होगी, जिससे निवेशकों को अब इन आकर्षक स्कीमों पर बेहतर रिटर्न मिलेगा। इंडियन बैंक ने अपनी दो लोकप्रिय स्पेशल एफडी स्कीमों– इंड ग्रो और इंड प्रास्पर– पर ब्याज दरों में 15 बेसिस पाइंट (0.15 फीसदी) की वृद्धि की है।

यह बढ़ोतरी 23 अक्टूबर से लागू हो गई है। बैंक ने हालांकि, अपनी सभी एफडी की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि यह लाभ विशेष रूप से इन दो चुनिंदा योजनाओं पर केंद्रित है। इस बदलाव के बाद 555 दिन की इंड ग्रो स्कीम पर मिलने वाली पुरानी 6.65 फीसदी की ब्याज दर अब बढ़कर 6.80% हो गई है।

इसी तरह, 777 दिन की इंड प्रास्पर स्कीम पर पहले मिल रही 6.60% की ब्याज दर अब 6.75 फीसदी हो गई है। यह उन ग्राहकों के लिए एक आकर्षक अवसर है जो मध्यम अवधि के लिए सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाले निवेश की तलाश में हैं। ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत अंक की

बढ़ोतरी का सीधा मतलब है कि अगर आप इन स्कीमों में 1 लाख रुपये जमा करते हैं, तो सालाना आधार पर आपको लगभग 150 रुपये का अतिरिक्त ब्याज मिल सकता है।

हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वास्तविक रिटर्न एफडी की अवधि, ब्याज के चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगा। इसलिए, एफडी कराने से पहले मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए। इंडियन बैंक का यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी के बाद आया है। केंद्रीय बैंक द्वारा दरें बढ़ाने के बाद से बैंक जमा राशि आकर्षित करने और अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए अपनी एफडी दरों में लगातार बढ़ोतरी कर रहे हैं, जिससे ग्राहकों को प्रतिस्पर्धात्मक रिटर्न प्राप्त हो रहा है।

यह फैसला बैंक को और अधिक जमा आकर्षित करने में मदद करेगा, साथ ही निवेशकों को सुरक्षित निवेश पर बेहतर लाभ कमाने का मौका भी देगा।

# अहमदाबाद में सीएनजी महंगी, अडानी गैस ने 4.45 रुपए बढ़ाई कीमत

**नई कीमत 98.47 रुपए प्रति किलो, आटो-रिक्शा चालक नाराज**

नई दिल्ली

दीवाली से ठीक पहले अहमदाबाद के लाखों ड्राइवरों और आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। अडानी गैस ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम की अचानक बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद अहमदाबाद में अडानी सीएनजी की नई कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलो हो गई है, जिससे त्योहारों के इस मौसम में लोगों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद में दीवाली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले अडानी गैस द्वारा सीएनजी की कीमतों में की गई यह वृद्धि रिक्शा चालकों और रोज की कमाई पर निर्भर रहने वाले वाहन चालकों की जेब पर सीधा असर डालेगी। त्योहारों के दिनों में खरीदारी और

घूमने-फिरने की योजना बना रहे आम लोगों को भी अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। यह इस साल की दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 4 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की थी, जिससे उस समय दाम 94.20 रुपये तक पहुंच गए थे। लगातार बढ़ती कीमतों से खासकर आटो-रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी और गुस्सा देखा जा रहा है। उनका तर्क है कि गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर इसके मुकाबले रिक्शा किराए में पर्याप्त बढ़ोतरी को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। पहले भी किराया बढ़ोतरी और आनलाइन कैब/रिक्शा एप्लीकेशन के विरोध में रिक्शा चालकों ने हड़ताल की थी। दीवाली के समय हुई इस नई कीमत बढ़ोतरी से रिक्शा चालकों समेत आम वाहन चालकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के एक प्रवक्ता ने इस बढ़ोतरी को जायज ठहराते हुए कहा है कि प्राकृतिक गैस की खरीद लागत में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना आवश्यक हो गया था। कंपनी ने घरेलू गैस की कम उपलब्धता, सप्लाई में कटौती और भू-राजनीतिक तनाव के चलते वैश्विक स्तर पर गैस की कीमतों में उछाल आने को लागत में वृद्धि का मुख्य कारण बताया। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद, कंपनी उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले असर को कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

### टाटा नेक्सन ईवी की पहली झलक आई सामने

**नई दिल्ली।** स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की नेक्सन ईवी की पहली झलक टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। हालांकि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी पूरी तरह से ढकी हुई थी, लेकिन गाड़ी के नीचे दिखाई दिए बैटरी पैक और नारंगी रंग की उच्च वोल्टेज वाली इलेक्ट्रिक केबलों ने स्पष्ट रूप से इसके इलेक्ट्रिक माडल होने की पुष्टि की है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाटा मोटर्स आने वाले माडल में डिजाइन और तकनीकी पहलुओं में महत्वपूर्ण बदलाव कर सकती है, हालांकि कंपनी ने अभी तक नए फीचर्स, बैटरी क्षमता या लान्च की तारीख के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। लीक हुई तस्वीरों के आधार पर, नई नेक्सन ईवी में मौजूदा माडल की तुलना में कुछ बदलाव देखे जा सकते हैं, जैसे कि एक अधिक सपाट छत और पीछे का हिस्सा जो कम कूपे जैसा दिखता है। इसमें पारंपरिक खींचकर खोलने वाले दरवाजों के हैंडल और पांच–स्पोक वाले अलाय व्हील भी नजर आए। बैटरी पैक का स्पष्ट रूप से दिखना इस बात का संकेत है कि नई बाडी के साथ कंपनी को बैटरी की बनावट और वाहन के समग्र प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक जगह मिल सकती है। इससे बैटरी की क्षमता, चार्जिंग दक्षता और ड्राइविंग रेंज में बदलाव की संभावना बनती है, जो ग्राहकों के लिए एक बेहतर और अधिक कुशल इलेक्ट्रिक वाहन अनुभव प्रदान कर सकता है। वर्तमान में, टाटा नेक्सन ईवी की शुरुआती एक्स–शोरूम कीमत 12.49 लाख रुपये है, जिसमें 30 किलोवाट–घंटे (325 किलोमीटर रेंज) और 45 किलोवाट–घंटे (489 किलोमीटर रेंज) के बैटरी पैक विकल्प उपलब्ध हैं। नए माडल में इन्हीं विकल्पों में सुधार होता है या कोई नया विकल्प पेश किया जाता है, यह अभी देखना बाकी है।

# एशियाई पैरा खेल: नितेश कुमार ने प्रमोद भगत को हराकर जीता स्वर्ण

**पुरुष एकल एसएल3 के फाइनल में नितेश ने 21-18, 21-16 से दर्ज की जीत, प्रमोद को रजत पदक**

आइची-नागोया

भारत के नितेश कुमार ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। शुक्रवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने हमवतन और मौजूदा विश्व चैंपियन प्रमोद भगत को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया। नितेश के स्वर्ण जीतने के साथ प्रमोद को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिससे यह मुकाबला भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए खास रहा।

मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज नितेश ने शुरुआत से ही संयमित खेल दिखाया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन नितेश ने 21-18 से जीत हासिल की। दूसरे गेम में भी प्रमोद ने चुनौती पेश की, मगर नितेश ने महत्वपूर्ण अंक जीतते हुए 21-16 से गेम और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नितेश ने इस जीत के साथ एशियाई पैरा खेलों में पुरुष एकल एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, 38 वर्षीय प्रमोद को रजत पदक मिला। प्रमोद इससे पहले 2018 और 2022 के एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

हरियाणा के चरखी दादरी के रहने वाले नितेश कुमार का जन्म 30 दिसंबर 1994 को हुआ था। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी से विद्युत अभियांत्रिकी की पढ़ाई की। बचपन में उनकी रुचि फुटबाल में थी, लेकिन 2009 में विशाखापत्तनम में हुए एक हादसे के कारण उनके पैर में गंभीर चोट आई। कई महीनों तक बिस्तर पर रहने के बाद भी उन्होंने खेल से अपना नाता नहीं तोड़ा। आईआईटी मंडी में पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि बैडमिंटन में बढ़ी और धीरे-धीरे उन्होंने पैरा बैडमिंटन को अपना लक्ष्य बना लिया।

नितेश ने 2016 में फरीदाबाद में पैरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया और कांस्य पदक जीता। 2017 में उन्होंने एकल में रजत और युगल में कांस्य पदक हासिल किया। वर्ष 2020 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने प्रमोद भगत और मनोज को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पेरिस पैरालंपिक-2024 में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतना उनके करियर की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। वह 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुष युगल का स्वर्ण, एकल का रजत और मिश्रित युगल का कांस्य पदक भी जीत चुके हैं।

दूसरी ओर, प्रमोद भगत की कहानी भी संघर्ष और उपलब्धियों से भरी है। उनका जन्म 4 जून 1988 को बिहार के वैशाली जिले में हुआ था। चार-पांच वर्ष की उम्र में पोलियो के कारण उनका बायां पैर प्रभावित हो गया। बाद में वह ओडिशा के बरगढ़ जिले के अटाबीरा में अपने रिश्तेदारों के साथ रहे। बचपन में आसपास के बच्चों को बैडमिंटन खेलते देखकर उनकी भी इस खेल में रुचि पैदा हुई।

प्रमोद ने 2006 में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन में आगे बढ़ने के लिए गंभीर प्रयास शुरू किए। टोक्यो पैरालंपिक-2020, जो 2021 में आयोजित हुआ था, में उन्होंने पुरुष एकल के फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वह पैरालंपिक बैडमिंटन में स्वर्ण जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बने। प्रमोद विश्व चैंपियनशिप में भी कई स्वर्ण और रजत पदक जीत चुके हैं और छह बार विश्व चैंपियन बनने की उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

नितेश और प्रमोद के बीच इस फाइनल ने भारतीय पैरा बैडमिंटन की मजबूती को रेखांकित किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से देश के लिए पदक सुनिश्चित किया, लेकिन इस बार स्वर्ण नितेश के नाम रहा।

## न्यूज़ ब्रीफ

### मोना अग्रवाल ने विश्व रिकार्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण पदक, अवनी चौथे स्थान पर

आइची-नागोया। भारत की पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने पैरा एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एक अन्य भारतीय अवनि लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकार्ड बनाया। चीन की झांग कुइपिंग 353.7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीता। दक्षिण कोरिया की किम मियाग्न ने 344.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। मोना ने स्वर्ण पदक जीतने के लिए चीन की झांग पर 3.8 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले वह खेलों के शुरुआती दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उस स्पर्धा में उन्होंने 250 अंक हासिल कर एशियाई पैरा खेलों का रिकार्ड बनाया था और 2023 में हांगझोऊ में अवनी लेखरा के 249.6 अंक के रिकार्ड को पीछे छोड़ा था। इस स्पर्धा के फाइनल में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय निशानेबाज अवनी लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। वह प्रोन पोजिशन के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों में शामिल थीं, लेकिन स्टैंडिंग सीरीज में पिछड़ने के कारण पदक से चूक गईं।

### हांगकांग सिक्सेस: सिम्पसन की कप्तानी में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी इंग्लैंड

हांगकांग। इंग्लैंड ने विकेटकीपर-बल्लेबाज जान सिम्पसन को हांगकांग सिक्सेस 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। सिम्पसन अभी ससेक्स क्रिकेट क्लब के कप्तान हैं। टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा भी कर दी गयी है। यह टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन मैदान में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड की टीम काफी संतुलित होने के कारण खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। हांगकांग सिक्सेस प्रारुप में मैदान पर छह खिलाड़ी होते हैं और हर पारी में छह ओवर ही फेंके जाते है। यह टूर्नामेंट आक्रामक क्रिकेट के साथ ही तेजी से रन बनाने और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी और फील्डिंग में तेजी पर आधारित है। सिम्पसन इसमें सात सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें एडवर्ड बर्नार्ड, फिन हडसन-प्रेंटिस, जैक कार्सन, मार्टिन एंडरसन, डैनियल मौस्ली और नाथन गिलक्रिस्ट भी शामिल हैं। टीम को पास सिम्पसन जैसा अनुभवी कप्तान है। इसके अलाव टीम के पास गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी हैं। जिससे इस तेजी से रन बनाने वाले प्रारुप में इंग्लैंड एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसमें इंग्लैंड को ग्रुप ए में आस्ट्रेलिया और हांगकांग (चीन) के साथ रखा गया है। टीम 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के अपने प्रदर्शन से इस बार और बेहतर करने के प्रयास करेगी। गौरतलब है कि सिम्पसन एक दशक से भी अधिक समय से इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में शामिल रहे हैं।

### श्रीलंका ने रचा इतिहास, 430 रन का लक्ष्य हासिल कर इंग्लैंड को हराया

रावलपिंडी। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के तीसरे मुकाबले में इतिहास रचते हुए 430 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका ने वनडे क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। वहीं, यह वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की बदौलत 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में पवन रत्नायके ने 130 रन की शानदार पारी खेली। दसुन शनाका और अविष्का फर्नांडो ने 97-97 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवरों में जनिथ लियांगे ने नाबाद 61 रन की पारी खेलकर जीत पर मुहर लगाई। मैच का अंतिम ओवर बेहद रोमांचक रहा। श्रीलंका को आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए छह रन की जरूरत थी और उसके आठ विकेट गिर चुके थे। इंग्लैंड के गेंदबाज जोश टंग ने ओवर की पहली चार गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए और दो विकेट लेकर मुकाबले को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। लेकिन लियांगे ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका को यादगार जीत दिला दी। इस तरह श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने तीन और सैम करन ने दो विकेट चटकाए। जबकि जैमी ओवर्टन और लियाम डावसन को एक-एक सफलता मिली।

# एशियन पैरा खेल: संदीप और हेनी ने विश्व रिकार्ड के साथ जीते स्वर्ण, भारत को पैरा एथलेटिक्स में दोहरी सफलता

आइची-नागोया

**पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रिकार्ड के साथ दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया, जबकि हेनी ने भाला फेंक में नया विश्व रिकार्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। पैरा टेबल टेनिस में जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया। पुरुषों की 400 मीटर टी44 स्पर्धा में संदीप ने 52.28 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकार्ड बनाया। सऊदी अरब के नूर अलसाना ने 53.13 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। भारत के अजय कुमार ने 53.61 सेकंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीता। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक अपने नाम किए। अजय ने इस प्रदर्शन के साथ खेलों का रिकार्ड भी बनाया।**

पुरुषों की भाला फेंक एफ37 स्पर्धा में भारत के हेनी ने 60.49 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता और विश्व रिकार्ड कायम किया। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम प्रयास में किया। हेनी ने 1116 रेटिंग अंक हासिल किए। ईरान के होर्मोज सेइदिकाजपुंजी ने 50.68 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन के चेंगजी यू ने 53.66 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया और एशियाई रिकार्ड बनाया।

पैरा टेबल टेनिस के पुरुष युगल एमडी-4 वर्ग में भारत के जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जिनचियोल पार्क और क्यूंग-ह्युन किम से 0-3 से हार मिली। कोरियाई जोड़ी ने 14-12, 11-7 और 11-5 से मुकाबला अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी के 50 वर्षीय जेहान मदान पैरा एशियाई खेल-2026 में पदक जीतने वाले भारतीय दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

### नवीन ने जीता स्वर्ण, सुमति और निमिषा को रजत

आइची-नागोया। पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा बैडमिंटन में नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुमति सिवन नित्या श्री को महिला एकल में रजत पदक मिला। एथलेटिक्स में प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा और निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल ने महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने एशियन पैरा खेल में 100 पदक पूरे हो गए हैं। समाचार लिखे जाने तक पदक तालिका में 100 पदक (25 स्वर्ण, 32 रजत, 43 कांस्य) के साथ भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया है। नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को सीधे गेमों में 21-9, 21-17 से हराया। 36 मिनट तक चले मुकाबले में नवीन ने पहले गेम में दबदबा बनाया और दूसरे गेम में प्रतिद्वंद्वी की चुनौती का सामना करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला एकल बैडमिंटन के फाइनल में भारत की सुमति सिवन नित्या श्री को चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। 26 मिनट तक चले मुकाबले में ली फेंगमेई ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि नित्या श्री को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स की पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा में भारत के प्रमोद ने 4 मिनट 9.65 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। श्रीलंका के पी. वहुमुरागे ने 4 मिनट 3.25 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया और खेलों का रिकार्ड बनाया। फिलीपींस के किंग जेम्स रेयेस ने 4 मिनट 13.81 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। महिलाओं की लंबी कूद टी46/टी47 स्पर्धा में भारत की निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.37 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। उन्होंने तीसरे प्रयास में अपना पदक जीतने वाला सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। श्रीलंका की धनंजना विक्रमसिंघे ने 5.52 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता और खेलों का रिकार्ड बनाया। चीन की जिन चेन ने 5.17 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

# सिलिकान वैली ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं अनाहत सिंह

रेडवुड सिटी

**पहली बार पीएसए गोल्ड स्तर के सेमीफाइनल में पहुंचीं अनाहत**

भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार वापसी करते हुए सिलिकान वैली ओपन के क्वार्टर फाइनल में मिस्र की छठी वरीयता प्राप्त सलमा हानी को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड स्तर के सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने 42 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी हानी को 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया।

अनाहत मुकाबले में 1-2 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे एक दिन पहले उन्होंने मिस्र की विश्व नंबर तीन और आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

अनाहत ने मुकाबले के बाद कहा कि उन्होंने पहले कभी हानी के खिलाफ नहीं खेला था और कोर्ट पर उतरने से पहले उन्हें अंदाजा नहीं था कि मुकाबला कैसा रहेगा। उन्होंने कहा कि हानी पीएसए टूर की अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्होंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें लगा कि अच्छा खेलने पर वह किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकती हैं।

अनाहत ने कहा कि पिछले दिन की जीत के बाद भावनात्मक रूप से वह थोड़ी थकी हुई थीं, लेकिन वह टूर्नामेंट में मिली बढ़त और लय को खोना नहीं चाहती थीं। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और अगले दौर में पहुंचकर खुशी जताई।

सेमीफाइनल में अनाहत का सामना मलेशिया की विश्व नंबर चार और मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। शिवसांगरी ने एशियाई खेलों के महिला एकल फाइनल में अनाहत को हराया था। स्क्वैश को लास एंजिलिस ओलंपिक में पहली बार शामिल किया जाना है।

अनाहत ने 2023 में हांगझोऊ एशियाई खेलों में महिला टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते थे। इसके बाद आइची-नागोया एशियाई खेल-2026 में महिला एकल का रजत पदक जीतकर वह एशियाई खेलों के स्क्वैश एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी वर्ष उन्होंने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में लड़कियों का एकल खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव भी पाया।

### मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व कोच हैग ने रोनाल्डो से हुए विवाद पर सफाई दी

लंदन। पूर्व कोच एरिक टेन हैग ने स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड में रहने के दौरान हुए विवाद और उनके टीम छोड़ने को लेकर अब चार साल बाद अपनी सफाई दी है। कोच हैग ने कहा कि उनके बीच विवाद रोनाल्डो की तैयारी, फिटनेस और टीम की जरूरतों के मुताबिक काम करने में कमी के कारण हुआ था। टेन हैग अप्रैल 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच बने थे, जब रोनाल्डो पहले से ही टीम के प्रमुख सदस्थ थे। रोनाल्डो अगस्त 2021 में रियल मैड्रिड और युवेंटस के साथ खेलने के बाद दूसरी बार ओल्ड ट्रैफर्ड लौटे थे। टेन हैग ने बताया कि कोच का पद संभालने से पहले वे रोनाल्डो से मिलने पुर्तगाल गए थे। वे रोनाल्डो को फुटबाल इतिहास के महान खिलाड़ियों में से एक मानते थे पर उन्हें टीम के व्यापक हित में व्यावहारिक और कठोर फैसले लेने पड़े। हैग के अनुसार, रोनाल्डो टीम की तय फिजिकल और खेल संबंधी जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रोनाल्डो न केवल कुछ अभ्यास सत्रों से हट जाते थे, बल्कि जब वे अभ्यास करते भी थे, तब उनकी तैयारी उस स्तर की नहीं होती थी जैसा होना चाहिये था। अगस्त 2022 में ब्रेंटफोर्ड से 4-0 की करारी हार के बाद खिलाड़ियों को कराए गए अनिवार्य 3 चक्करों का उदाहरण देते हुए हैग ने बताया कि रोनाल्डो ने उनमें से केवल 2 चक्कर पूरे किए थे।

# एशियाई पैरा खेल: भावना व पूजा ने रचा इतिहास महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में जीता रजत पदक

आइची-नागोया

भारतीय पैरा तीरंदाज भावना और पूजा जाट्यान ने एशियाई पैरा खेल-2026 में शुक्रवार को महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण के सोनीपत स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाली इस जोड़ी ने फाइनल तक का सफर तय किया। इस स्पर्धा में भारत का यह पहला पदक है।

फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना चीन की तीरंदाजों से हुआ। चीनी जोड़ी ने मुकाबले में 6-0 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चीन ने तीनों सेट 2-0 से जीते। भारतीय जोड़ी ने पहले सेट में 38, दूसरे में 35 और तीसरे सेट में 39 अंक हासिल किए, लेकिन वह चीन की चुनौती को पार नहीं कर सकी और तीनों सेटों में 31-38, 30-35 और 29-39 से हार मिली। भावना और पूजा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भावना के लिए यह पदार्पण प्रतियोगिता थी। पहली ही बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हरियाणा के हिसार की रहने वाली भावना महिला रिकर्व ओपन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं और सोनीपत में कोच मोनिका रावल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। उनके पैरों और धड़ के उपयोग को प्रभावित करने वाली शारीरिक

दिव्यांगता है। भावना ने इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बैंकॉक में 2026 विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में उन्होंने रिकर्व महिला ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसी प्रतियोगिता में वह मिश्रित टीम और महिला टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतने में भी सफल रही थीं। वर्ष 2025 के एशियाई युवा पैरा खेलों में उन्होंने मिश्रित अंडर-21 टीम स्पर्धा में स्वर्ण और महिला रिकर्व अंडर-21 ओपन में रजत पदक हासिल किया था। एशियाई पैरा चैंपियनशिप में भी वह मिश्रित टीम में स्वर्ण और महिला टीम में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वर्ष 2026 की राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में उन्होंने रिकर्व महिला ओपन वर्ग में रजत पदक जीता था। गुरुग्राम की रहने वाली पूजा जाट्यान भारतीय पैरा तीरंदाजी की अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह महिला रिकर्व ओपन और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में हिस्सा लेती हैं तथा सोनीपत में कोच सुरिंदर सिंह के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। बचपन में चिकित्सा संबंधी लापरवाही के कारण उनके बाएं पैर में पोलियो हो गया था, लेकिन उन्होंने खेल के प्रति अपने जुनून को बनाए रखा। पूजा ने वर्ष 2018 के एशियाई पैरा खेलों से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

# एशियाई पैरा खेल: हरविंदर-विजय की जोड़ी ने तीरंदाजी में दिलाया स्वर्ण

आइची-नागोया

**एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को खेलों के पांचवें दिन हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी ने पुरुष रिकर्व युगल तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके अलावा थुलासिमति मुरुगेसन, प्रमोद और महिला रिकर्व युगल जोड़ी भावना तथा पूजा ने रजत पदक अपने नाम किए।**

**एशियाई पैरा खेलों के पांचवें दिन अभी तक भारत को एक स्वर्ण और तीन रजत पदक**

पुरुष रिकर्व युगल स्पर्धा के फाइनल में हरबिंदर सिंह और पदार्पण कर रहे विजय सुंडी ने चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच पहला सेट 35-35 से बराबर रहा। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में 37-36 और तीसरे सेट में 38-36 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। हरविंदर और विजय ने दबाव के बीच सटीक निशाने लगाते हुए चीन की चुनौती को समाप्त किया। हरविंदर लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना से जुड़े खिलाड़ी हैं।

महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में भावना और पूजा को रजत पदक मिला। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारतीय जोड़ी को चीन के खिलाफ 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। चीन की तीरंदाजों ने पहला सेट 38-31, दूसरा 35-30 और तीसरा 39-29 से जीता। चीनी जोड़ी ने प्रति

तीर औसतन 9.33 अंक हासिल किए, जबकि भारतीय जोड़ी का औसत 7.50 अंक रहा। इसके बावजूद भावना और पूजा ने फाइनल तक पहुंचकर भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया।

बैडमिंटन में थुलासिमति मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की चिउशिया यांग ने 21-18, 21-11 से हराया। थुलासिमति ने फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने बेहतर खेल दिखाया।

थुलासिमति का जन्म 11 अप्रैल 2002 को तमिलनाडु के कांचीपुरम में हुआ था। उन्होंने पांच वर्ष की उम्र में खेलना शुरू किया और बाद में बैडमिंटन अपनाया। बाएं हाथ में जन्मजात विकृति के कारण उनके अंगूठे का विकास नहीं हुआ। उन्हें हाथ की नस से जुड़ी समस्या और मांसपेशियों में कमजोरी का भी सामना करना पड़ा है। उनके पिता डी. मुरुगेसन ने पांच वर्षों तक उन्हें प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें पैरा खेलों की ओर प्रेरित किया। थुलासिमति विश्व चैंपियनशिप और फाजा दुबई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी पदक जीत चुकी हैं।

## शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहुति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

### अपने खान-पान में करें इन चीजें परहेज

शिमला मिर्च में ऑक्सलेट के क्रिस्टल्स पाए जाते हैं जो कैल्शियम में जाकर मिल जाते हैं। इससे कैल्शियम ऑक्सलेट के क्रिस्टल बनते हैं। यही बाद में पथरी बनाते हैं। इसलिए यदि शिमला मिर्च कम खाएंगे तो पथरी से बचे रहेंगे। ऑक्सलेट काफी मात्रा में टमाटर में पाए जाते हैं। इसलिए टमाटर का इस्तेमाल करते समय बीजों को निकाल दें। ऑक्सलेट से भरपूर चॉकलेट को कम से कम खाएं।

# क्या मटके में रखा पानी पीना सुरक्षित है?

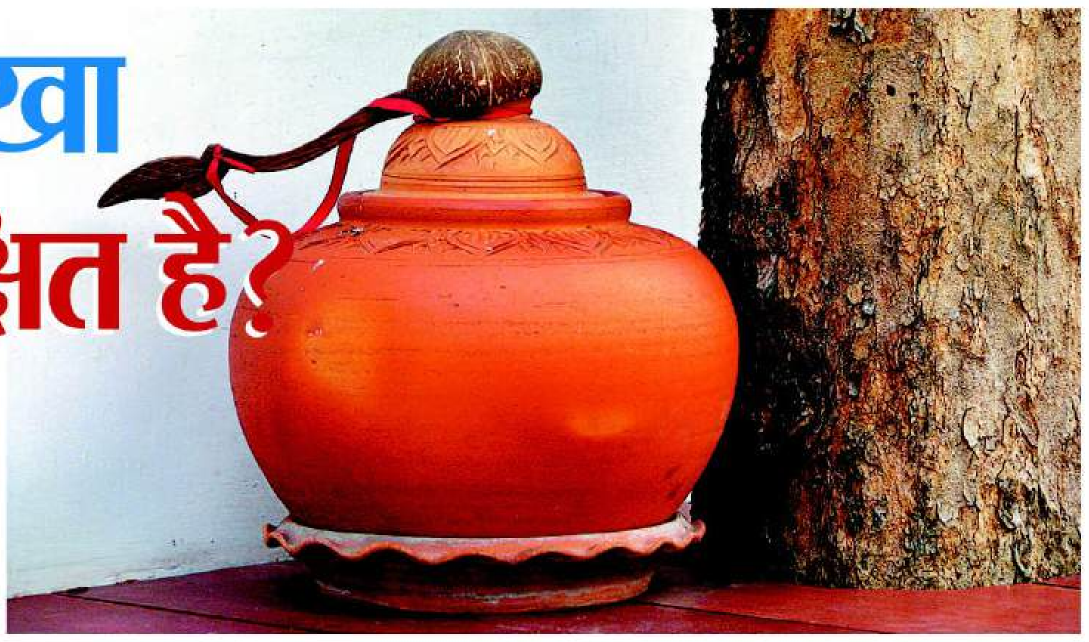

**पारंपरिक** रूप से मटके का पानी गले के लिए अच्छा होता है तथा फ्रिज के ठन्डे पानी की तुलना में इसका सेवन करना कहीं अधिक अच्छा होता है। आपने देखा होगा कि आपके परिवार के सदस्य केवल मटके का पानी पीने की सलाह देते हैं ताकि आप बीमार न पड़ें।

यदि आपको अक्सर सर्दी, खांसी और गले की खराश की समस्या रहती है तो वे ऐसा महसूस करते हैं कि मटके का पानी पीना आपके लिए ठीक नहीं है।

यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि स्टोर किए गए पानी को पहले उबालना और छानना चाहिए। इस पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा होने दें। जब यह पानी कमरे के तापमान पर पहुंच जाए तो फिर आप इसे मटके या सुराही में एकत्रित करके रख सकती हैं।

**ध्यान में रखने योग्य कुछ बातें**

1. अपने मटके या सुराही को कीटाणु रहित रखें। मिट्टी का घड़ा में मैल जल्दी एकत्रित होता है। अच्छा होगा यदि हर उपयोग के बाद आप मटके को पहले घिस कर साफ करें, सुखाएं और उसके बाद ही उसमें पानी भरें।
2. कई लोग सुराही में पानी एकत्रित करते हैं। सुराही एक मिट्टी का बर्तन होता है जिसकी गर्दन बहुत संकरी होती है। लोगों को चौड़े मटके की तुलना में पानी एकत्रित करने के लिए यह अधिक अच्छी लगती है।
3. बाजार में कई तरह के मिट्टी के मटके उपलब्ध हैं। सुराही छोटी होती है जिसे संभालना आसान होता है जबकि मटके या घड़े को उठाना कठिन होता है।
4. कई लोग ऐसी सुराही रखते है जिसमें छोटा नल लगा हो क्योंकि इनका उपयोग करना बहुत आसान होता है।
5. यदि आप मटके का उपयोग करते हैं तो धूल, कीड़ों तथा अन्य प्रदूषकों से पानी को बचाने के लिए इसे हमेशा ढक कर रखें।
7. मटके से पानी निकालने के लिए साफ सुथरे, लंबे करछुल का उपयोग करें। गिलास डुबाने से पानी को हाथ लगाने से पानी गंदा हो सकता है। ध्यान रखें कि मटके में कोई दरार न हो या इसके छिलके न निकलें हों तथा यदि आपके मटके से पानी लीक हो रहा हो तो इसे बदल दें।

# दांतों को चमकाने में मददगार है डेब्राइडमेंट

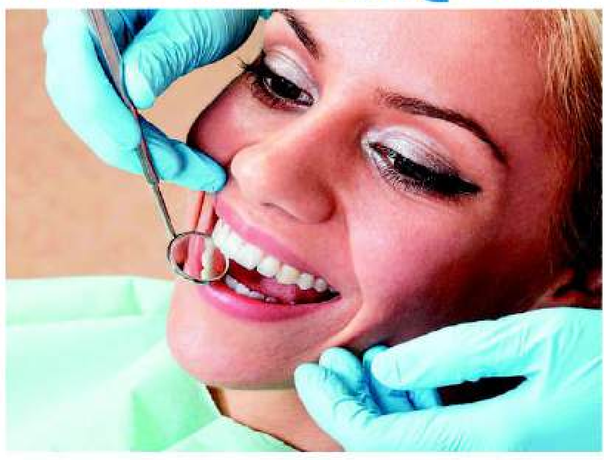

**डेब्राइडमेंट** वह प्रक्रिया है जिसके तहत आपके दांतों से अतिरिक्त प्लेक और टारटार को निकाला जाता है। जिन लोगों के दांतों पर अतिरिक्त प्लेक एवं टारटार (कैलकलस) जम जाते हैं, उनके लिए डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया जरूरी होती है। कई मामलों में दांतों पर प्लेक और टारटार का जमाव इतना गाढ़ा हो जाता है कि डेंटिस्ट के लिए ठीक से दांत भी देख पाना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में दांत की जांच एवं इलाज से पूर्व डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया के जरिए प्लेक और टारटार को हटाना जरूरी हो जाता है।

### डेब्राइडमेंट की तैयारी

अगर आप दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते तो इस प्रक्रिया से पूर्व आपको लोकल एनेस्थीसिया (सुन्न/बेहोश करने की दावा) दी जा सकती है। कुछ लोगों को डिब्राइडमेंट की प्रक्रिया से पूर्व नाइट्रस आक्साइड इत्यादि जैसी बेहोशी की दवा की भी जरूरत पड़ती है। जो लोग दांत के इलाज की प्रक्रिया से घबराते हैं, उनके लिए सुन्न करने की दवा या बेहोशी की दवा जरूरी हो जाती है।

### कब मिलें डेंटिस्ट से

- अगर आपको निम्नलिखित कोई शिकायत हो तो डेंटिस्ट को दिखलाएं
- अगर लम्बे समय से खून रिस/बह रहा हो।
- अगर आपको दांतों या मसूड़ों का कोई भाग संक्रामक हो गया हो
- मुंह के किसी भी भाग में सूजन या किसी तरह का डिस्चार्ज हो रहा हो।
- निचले जबड़े या गर्दन के लिम्फ नोड्स में जब सूजन आ गई हो।

### डेब्राइडमेंट कैसे किया जाता है

डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया में हाथ के उपकरण के साथ-साथ अल्ट्रासानिक यन्त्र का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन यंत्रों के जरिए पानी एवं हाई फ्रिक्वेंसी आपरेशन का इस्तेमाल करके दांतों में से प्लेक और टारटार को हटाया जाता है।

### नियमित रूप से इलाज (फालो अप)

पेरियोडांटल इलाज में डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया पहले अपनाई जाती है। नियमित रूप से आप डेंटिस्ट के पास जाते रहें। ऐसा करने से वे आपके दांतों की फिर से जांच कर सकेंगे और उसी अनुसार इलाज करेंगे। तत्पश्चात् स्केलिंग और रूट प्लानिंग या पेरियोडांटल सर्जरी जैसे उपचार किए जा सकते हैं।

**खतरा** अगर आपके मसूड़े प्लेक से प्रभावित हैं या प्लेक के कारण सूज गए हैं, तो डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया करते समय उनमें से खून बह सकता है। डेब्राइडमेंट से उपचार के दौरान आपके दांत ठन्डे या गर्म खाने के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। चूंकि आपके दांतों की जड़ों से प्लेक और टारटार हट जाता है इसलिए दांतों के जड़ जैसे ही खाद्य पदार्थ के संपर्क में आतें हैं, आप दांतों में अजीब तरह की सनसनाहट महसूस करने लगते हैं। डेब्राइडमेंट से संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। लेकिन ऐसे मामले बहुत कम पाए जाते हैं।

# डेंगू-चिकनगुनिया होने पर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

डेंगू और चिकनगुनिया में प्लेटलेट्स काफी कम हो जाते हैं। इस पर नियंत्रण पाने के लिए पपीते के पत्ते खासतौर से बेहद असरदार साबित रहते हैं। इसमें मौजूद पपेन शरीर के पाचन को सही रखता है। इसका जूस पीने से प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं। डेंगू और चिकनगुनिया को दूर भगाने के लिए नारियल का पानी भी बेहद फायदेमंद साबित होता है। लिहाजा जब इस तरह की बीमारी आपको जकड़े तो जमकर नारियल के पानी का सेवन करें। इससे डेंगू के बुखार में आराम मिलता है।

नारियल पानी में मौजूद जरूरी पोषक तत्व जैसे मिनरल्स और एलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तुलसी के पत्ते भी काम में लिए जा सकते हैं। तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें। ठंडा करके पीएं। इससे वायरल इंफेक्शन ठीक होता है। डेंगू के बुखार में मेथी की पत्तियां उबालकर चाय बनाकर पीना भी फायदेमंद रहता है। इससे डेंगू का वायरस दूर होता है। इसी तरह से काली मिर्च के साथ तुलसी के पत्तों को उबाल लें। ये पानी एंटी बैक्टीरियल होता है। इसे पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

# नौकरी पेशा लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा

**कोई** भी जॉब हो, आजकल हर काम कम्प्यूटर पर ही सबसे ज्यादा होता है ऐसे में लोग, 8 से भी ज्यादा घंटे कम्प्यूटर या लैपटॉप के सामने बिता देते हैं। ऐसे में हर किसी का लाइफस्टाइल भी काफी अनहेल्दी हो जाता है और उन्हें कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों को नौकरी के तनाव, अस्वास्थ्यकारी जीवनशैली, गलत तरीके से बैठने के कारण भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

नौकरी करने वाले लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा होता है जिसके बारे में हाल ही में किए गए सर्वे से पता चला है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें-

1. कार्पल टनल सिंड्रोम का प्रभाव, व्यक्ति के मीडियन नर्व पर पड़ता है जो कि हाथ या कलाई पर पड़ने वाले दबाव की वजह से होता है। इससे मीडियन नर्व में सूजन आ जाती है।

2. कार्पल टनल सिंड्रोम, में सुन्नपन आ जाता है और दर्द होने लगता है। हाथों, कलाई और उंगलियों में काफी दर्द होने लगता है।

3. हाल ही में एक हुई एक रिसर्च स्टडी से पता चला है कि कार्पल टनल सिंड्रोम, कॉरपोरेट सेक्टर के लोगों में ज्यादा होता है जो कि कम्प्यूटर पर ज्यादा समय बिताते हैं।

4. कार्पल टनल सिंड्रोम, कलाई पर जोर पड़ने की वजह से सबसे ज्यादा होता है क्योंकि रक्त का संचार रूक जाता है।

5. कार्पल टनल सिंड्रोम, उन लोगों में भी देखने को मिलता है जो सिलाई, सफाई, खाने को प्रसंस्करण करने का काम करते हैं। क्योंकि उन लोगों के हाथ भी हमेशा चलते रहते हैं।

6. कार्पल टनल सिंड्रोम की वजह से आर्थराइटिस जैसी बीमारी होने का खतरा भी बढ़ जाता है, अगर इस सिंड्रोम का सही समय पर इलाज न करवाया जाएं।

7. कुछ देशों में, कर्मचारियों को कार्पल टनल सिंड्रोम होने पर उन्हें इक्विटी एक्ट 2010 के तहत कवर भी मिल जाता है क्योंकि उनके काम की वजह से उन्हें यह समस्या झेलनी पड़ी।

### इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

# कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

*युवा हमेशा से अपने कॅरियर को लेकर काफी गंभीर होते हैं, क्योंकि कॅरियर के चुनाव से ही उनके जिंदगी की कामयाबी जुड़ी होती है। ऐसे में वे इसमें बहुत सावधानी बरतते हैं। इन दिनों आर्ट रिस्टोरर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। एक आर्ट रिस्टोरर बनकर आप सम्मानजनक वेतन हासिल कर सकते हैं। इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।*

### मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं।

### प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

### फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

# इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

**हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।**

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

### रेसिपी

## चना दाल टिक्की

**सामग्री**

250 ग्राम चना दाल (भिगोई हुई), 50 ग्राम प्याज, 1 टेबल स्पून अदरक, 1 टेबल स्पून हरी मिर्च(कटी हुई), 1 टी स्पून लाल मिर्च, 1 टी स्पून सौंफ, 1 टी स्पून जीरा, 1 टी स्पून नमक

**विधि**

मिक्सी में चने की दाल को डाल कर अच्छी तरह ग्राइड करके पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकाल लें। इस पेस्ट में प्याज, अदरक, हरी मिर्च, लाल मिर्च, सौंफ, जीरा और नमक डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट की टिक्कियां बना लें। फिर तेल में इसे फ्राई करें। इसे तब तक फ्राई करे जब तक यह क्रिस्पी न हो जाएं। चना दाल टिक्की तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

## पनीर एण्ड लैट्यूस रोल

**सामग्री**

**भरावन मिश्रण के लिए:** 2 स्पून बहुत बारीक कटा लहसुन, 1 स्पून बहुत बारीक कटा अदरक, 2 स्पून बारीक कटा हरा प्याज़ पत्तो सहित 1/4 कप बारीक कटी गाजर, 1/4 कप बारीक कटी बंदगोभी, 1/4 कप मोटे कटे बीन प्राउट्स, 1/4 कप कटा कम वसा वाला पनीर, 1/2 स्पून नींबू का रस, 1 स्पून सोया सॉस, नमक स्वाद अनुसार, 1/4 स्पून चिली फ्लेक्स, 2 स्पून तेल। **अन्य सामग्री:** 6 सलाद के पत्ते, 3 स्पून भुनी और दरदरी कुटी मूंगफली

**विधि**

**भरावन मिश्रण के लिए:** एक नॉन-स्टिक कढ़ाही में तेल गरम कीजिए। लहसुन, अदरक और प्याज डालकर प्याज़ के पारदर्शी होने तक भूनिए। गाजर और बंदगोभी डालकर अच्छी तरह मिलाइए और 2 से 3 मिनट भूनिए। बीन प्राउट, पनीर, नींबू का रस, सोया सॉस, नमक तथा चिली फ्लेक्स् डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और मध्यम आंच पर थोड़ा सा पकाइए। मिश्रण को 6 बराबर भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

**कैसे आगे बढ़े:** सलाद के पत्तो को धो कर अच्छी तरह तौलिए से सुखाकर एक तरफ रख दीजिए। सलाद के पत्ते को सूखी, साफ और समतल जगह पर रखिए और पत्ते के एक कोने में भरावन मिश्रण का एक भाग रखिए। मिश्रण पर ½ टेबल-स्पून मूंगफली डालिए और पत्ते को रोल कीजिए। भरावन मिश्रण बाहर न निकले इसके लिए पत्ते को टूथ्पिक या हरे प्याज के हरे भाग से बांधकर बंद कर दीजिए। शेष बची सामग्री के साथ यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 5 रोल बनाइए। तुरंत परोसिए।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**